पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने वायनाड सीट छोड़ने का फैसला किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बताया कि राहुल गांधी वायनाड से इस्तीफा देंगे। रायबरेली से सांसद बने रहेंगे। वायनाड से प्रियंका गांधी उपचुनाव लड़ेंगी।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 45 दिनांक:18-06-2024 मंगलवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में सोमवार को सुबह एक मालगाड़ी के टकरा जाने से, सियालदह जा रही कंचनजंगा एक्सप्रेस के पीछे के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे कम से कम 15 यात्रियों की मौत हो गई और 60 अन्य घायल हो गए।

राहुल गांधी रायबरेली सीट रखेंगे, वायनाड से लड़ेंगी प्रियंका

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी यूपी की रायबरेली सीट से लोकसभा सांसद बने रहेंगए। जबकि वायनाड सीट उनकी बहन और पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वायनाड से उपचुनाव लड़ेंगी। राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव 2024 में वायनाड और रायबरेली सीट से जीत दर्ज की। नियमानुसार, रिजल्ट घोषित होने के 14 दिन के भीतर एक सीट छोड़नी होती है। 4 जून को चुनाव के नतीजे आए थे। यानी 18 जून तक की डेडलाइन थी।

कांग्रेस नेताओं की सोमवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के घर बैठक हुई। इसमें कांग्रेस संसदीय समिति की चेयरपर्सन सोनिया गांधी, सांसद राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी और केसी वेणुगोपाल मौजूद थे। इस मीटिंग में तय हुआ कि राहुल गांधी रायबरेली से सांसद बने रहेंगे और प्रियंका गांधी वायनाड से इलेक्शन डेब्यू करेंगी। इसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया।

इस दौरान राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने भी अपनी बात रखी। राहुल गांधी ने कहा, वायनाड और रायबरेली से मेरा भावनात्मक रिश्ता है। मैं पिछले 5 साल से वायनाड से सांसद था। मैं लोगों को उनके प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं।

इस दौरान राहुल गांधी ने प्रियंका गांधी के एक पुराने स्लोगन लड़की हूं, लड़ सकती हूं का प्रयोग करते हुए कहा कि प्रियंका वायनाड से उपचुनाव लड़ेंगी।

राहुल गांधी ने कहा, मैं समय-समय पर वायनाड का दौरा भी करूंगा। मेरा रायबरेली से पुराना रिश्ता है, मुझे खुशी है कि मुझे फिर से उनका प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा, लेकिन यह एक कठिन निर्णय था।

इस दौरान प्रियंका गांधी ने कहा, वायनाड का प्रतिनिधित्व करने को लेकर मुझे काबिल समझने के लिए मैं खुश हूं। मैं वायनाड को राहुल गांधी की अनुपस्थिति महसूस नहीं होने दूंगी। मैं कड़ी मेहनत करूंगी। सभी को खुश करने और अच्छा प्रतिनिधि बनने की पूरी कोशिश करूंगी। प्रियंका गांधी ने कहा, मेरा भी रायबरेली और अमेठी से बहुत पुराना रिश्ता है। इस रिश्ते को तोड़ा नहीं जा सकता। मैं भी रायबरेली में अपने भाई की मदद करूंगी। हम दोनों रायबरेली और वायनाड के लिए खड़े रहेंगे।

राहुल गांधी ने नेता प्रतिपक्ष पद किया अस्वीकार ? तीन अन्य नामों की चर्चा

नई दिल्ली (ईएमएस)। पहले ऐसी अटकलें थी कि राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हो सकते हैं। लेकिन सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी ने यह पद अस्वीकार कर दिया है। ऐसे में कांग्रेस की तरफ से 3 नाम सामने आ रहे हैं। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की अगुवाई वाले इंडिया अलायंस को 232 सीटें मिली। कांग्रेस को 99 सीटें मिली थीं। ये लोकसभा की कुल संख्या का 18३ हैं। ऐसे में साफ है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद कांग्रेस को ही ऑफर किया जाएगा। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों के मुताबिक लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पद के लिए राहुल गांधी के इनकार करने के बाद तीन सीनियर नेताओं कुमारी शैलजा, गौरव गोगोई और मनीष तिवारी के नाम पर विचार किया जा रहा है। गौरव गोगोई असम के जोरहाट से चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे हैं। वे गांधी परिवार के करीबी भी हैं। कुमारी शैलजा ने हरियाणा के सिरसा से जीत हासिल की है। मनीष तिवारी ने चंडीगढ़ चुनाव जीता है।

कंचनजंगा एक्सप्रेस से भिड़ी मालगाड़ी,15की मौत,60 घायल

- गुड्स ट्रेन के ड्राइवर ने सिग्नल की अनदेखी की

दार्जिलिंग (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में सोमवार सुबह 8:55 बजे एक मालगाड़ी ट्रेन ने कंचनजंगा एक्सप्रेस (13174) को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में 15 लोगों की मौत और 60 के घायल होने की जानकारी दी है। रेलवे बोर्ड की चेयरमैन और सीईओ जय वर्मा के मुताबिक, मालगाड़ी के लोको पायलट ने सिग्नल ओवरशूट किया। जिसके कारण वह कंजनजंगा एक्सप्रेस से टकरा गई। इस हादसे में गार्ड का डिब्बा, जनरल डिब्बा क्षतिग्रस्त हुआ है। आर्मी और एनडीआरएफ की टीमों ने रेस्क्यू का काम पूरा कर लिया है। रेल रूट के रेस्टोरेशन का काम शुरू हो चुका है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घटना में जान गंवाने वाले लोगों को 10 लाख रुपए, गंभीर घायलों को 2.50 लाख रुपए और मामूली घायलों को 50 हजार रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है। इसके अलावा हादसे में मारे गए लोगों को प्रधानमंत्री राहत कोष से 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए मदद का ऐलान किया गया है।

कौशिक मित्रा ने बताया कि कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन के आखिरी में दो पार्सल और एक एसएलआर कोच लगे हुए थे। इसमें कोई पैसेंजर नहीं था। ट्रेन के 5 डिब्बे क्षतिग्रस्त हुए हैं। 12:40 बजे एक स्पेशल ट्रेन सियालदह के लिए रवाना हो चुकी है। ट्रेन में अधिकतर यात्री मालदा और बोलपुर के हैं। सिंगल लाइन पर ट्रेन सेवा शुरू कर दी गई है।

रुकी थी कंचनजंगा एक्सप्रेस

कंचनजंगा एक्सप्रेस (13174) 16 जून को सुबह 8:15 बजे अगरतला से रवाना हुई थी। इसे 17 जून को शाम 7:20 बजे सियालदह पहुंचना था। हादसा न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन के करीब रंगापानी में हुआ। ट्रेन रेड सिग्नल की वजह से यहां रुइधासा में रुकी हुई थी। इसी दौरान पीछे से आ रही मालगाड़ी ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मालगाड़ी के इंजन पर एक्सप्रेस ट्रेन का एक डिब्बा हवा में लटक गया। अन्य दो डिब्बे बेपटरी हो गए।

लोकसभा स्पीकर पद पर समझौता नहीं करेगी भाजपा

-एनडीए के सहयोगी दल को मिल सकती है डिप्टी स्पीकर पोस्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। मोदी 3.0 सरकार के गठन के बाद से भाजपा ने साफ कर दिया है कि वह अपने सहयोगियों के आगे नहीं झुकेगी। भाजपा ने सहयोगी दलों को एक तरह से ये संदेश दे दिया है कि वह गठबंधन धर्म निभाएंगे, लेकिन सिर झुकाकर सरकार नहीं चलाएंगे। मंत्रिमंडल के बंटवारे में भाजपा का वर्चस्व तो दिखा ही। अब भाजपा ने लोकसभा स्पीकर के पद पर भी वीटो कर दिया है। इससे साफ है कि भाजपा स्पीकर पद से समझौता नहीं करना चाहती। हालांकि, एनडीए सहयोगी दल को डिप्टी स्पीकर का पद मिल सकता है।

सूत्रों के मुताबिक, भाजपा लोकसभा स्पीकर का पद अपने पास रखेगी और डिप्टी स्पीकर का पद एनडीए की सहयोगी दल को देगी। पार्टी आलाकमान ने एनडीए के सहयोगियों और विपक्षी दलों से बातचीत कर आम राय बनाने की जिम्मेदारी पार्टी के वरिष्ठ नेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को दी गई है।

चुनौती बना हुआ है स्पीकर-डिप्टी स्पीकर का पद

लोकसभा चुनाव में जीतकर एनडीए ने सरकार बना ली है। नरेंद्र मोदी तीसरी बार पीएम बन गए हैं और कैबिनेट में मंत्रियों को पोर्टफोलियो भी बंट चुका है।

अब लोकसभा स्पीकर को लेकर चर्चा तेज हो गई है। भाजपा एनडीए के लिए चुनौती बना हुआ है। पिछली सरकार में तो कोटा से भाजपा सांसद ओम बिड़ला ने स्पीकर की गद्दी संभाली थी, लेकिन मौजूदा सरकार में इस पद को लेकर अभी चर्चा जारी है।

24 जून से शुरू हो सकता है विशेष सत्र

सूत्रों के मुताबिक संसद का 8 दिवसीय विशेष सत्र 3 जुलाई तक रहेगा। इस विशेष सत्र में 24 और 25 जून को नए सांसदों का शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है, जबकि 26 जून को लोकसभा स्पीकर का चुनाव हो सकता है। भाजपा के मंथन के बीच लोकसभा स्पीकर को लेकर विपक्षी नेताओं के बयानों ने खलबली मचा दी है। विपक्ष की ओर से यह भी कहा गया है कि अगर डिप्टी स्पीकर का पद उन्हें नहीं दिया जाता है तो वह स्पीकर पद के लिए भी उम्मीदवार खड़ा कर सकते हैं।

विपक्ष इसके लिए तैयारी कर रहा है। लोकसभा चुनाव 2024 में इंडिया ब्लॉक (विपक्ष) की सीटें बढ़ने के साथ ही 10 साल बाद निचले सदन को विपक्ष का नेता भी मिलेगा। साथ ही विपक्ष उपाध्यक्ष पद के चुनाव की भी उम्मीद कर रहा है। बता दें कि पिछले पांच साल से उपाध्यक्ष का पद खाली है।

17वीं लोकसभा में पांच साल तक उपाध्यक्ष का पद रिक्त रहा। साथ ही यह दूसरी बार था जब सदन में कोई नेता प्रतिपक्ष नहीं था। आमतौर पर उपाध्यक्ष का पद विपक्ष को दिया जाता है। विपक्ष के एक नेता का कहना है कि वे इसके लिए सदन में दबाव बनाएंगे कि इस बार उपाध्यक्ष का पद खाली न छोड़ा जाए।

विपक्ष उतार सकता है प्रत्याशी

सूत्रों की मानें तो अगर विपक्षी दलों को डिप्टी स्पीकर का पद नहीं दिया गया तो वे स्पीकर पद के लिए अपना उम्मीदवार खड़ा कर सकते हैं। इस संबंध में अंतिम निर्णय संसद सत्र शुरू होने से पहले लिया जाएगा।

लो अब एयर इंडिया के खाने में मिल गई ब्लेंड

नई दिल्ली (ईएमएस)। एयर इंडिया ने एक यात्री के दावे की जांच शुरू कर दी है, इसमें दावा किया है कि उन्हें हाल ही में बेंगलुरु से सैन फ्रांसिस्को की उड़ान के दौरान उनके खाने में धातु का ब्लेड मिला था। उड़ान में सवार पत्रकार ने सोशल मीडिया पर अपने भयावह अनुभव को साझा किया था।

पॉल ने बताया कि उन्हें एयर इंडिया के इन-फ्लाइट कैटरिंग द्वारा परोसे गए अंजीर चाट डिश में ब्लेड मिला था। पॉल ने लिखा, मैंने दो या तीन सेकंड तक इस चबाने के बाद महसूस किया कि यह मेरे खाने में था। जैसे ही मैंने थूका, मुझे एहसास हुआ कि यह क्या चीज थी। पॉल ने कहा, किसी भी उड़ान में ब्लेड रखना खतरनाक है। दूसरा, यह मेरी जीभ को काट सकता था। तीसरा, अगर कोई बच्चा यह खाना खा रहा होता तब क्या होता।

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने घटना को स्वीकार किया, जिसमें मुख्य ग्राहक अनुभव अधिकारी राजेश डोगरा ने भोजन में विदेशी वस्तु की मौजूदगी की पुष्टि की। डोगरा ने कहा, हमने जांच की है और स्रोत की पहचान हमारे खानपान भागीदार द्वारा उपयोग की जाने वाली सब्जी प्रसंस्करण मशीन के रूप में की है। हम सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के लिए उनके साथ काम कर रहे हैं, जिसमें प्रोसेसर की अधिक बार जांच करना, विशेष रूप से कठोर सब्जियों को काटने के बाद।

अग्निपथ योजना में नहीं हुआ कोई बदलाव...मोदी सरकार ने किया साफ

नई दिल्ली (ईएमएस)। मोदी सरकार ने अग्निपथ योजना को बदलाव के साथ फिर से शुरू करने की खबरों को खारिज करते हुए इन खबरों को फर्जी बताया। मोदी सरकार ने स्पष्ट किया कि ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया गया है। प्रेस सूचना ब्यूरो ने स्पष्ट किया, एक फर्जी व्हाट्सएप संदेश में दावा किया गया है कि अग्निपथ योजना को कई बदलावों के साथ समीक्षा के बाद सैनिक सम्मान योजना के रूप में फिर से शुरू किया गया है, इसमें सेवा की अवधि को बढ़ाकर 7 साल करना, 60 प्रतिशत स्थायी कर्मचारी और बढ़ी हुई आय शामिल है... भारत सरकार ने ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया है।

शुरू से ही अग्निपथ योजना की आलोचना कर रहे विपक्ष ने लोकसभा चुनाव अभियान के दौरान आक्रामक रूप से इसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। कांग्रेस ने केंद्र में सत्ता में आने पर इस योजना को खत्म करने का वादा किया।

अमित शाह ने मणिपुर में केंद्रीय बलों की तैनाती का फैसला लिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में केंद्रीय बलों की तैनाती का फैसला लिया है, ताकि वहां शांति और सौहार्द का माहौल तैयार हो सके। इसके साथ ही जरूरत के मुताबिक फोर्स की तैनाती बढ़ाई जाएगी।

सोमवार को मणिपुर के ताजा हालात पर एक हाई लेवल मीटिंग के बाद केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जरूरत पड़ने पर केंद्रीय बलों की तैनाती बढ़ाई जाएगी। गृह मंत्री ने हिंसा करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

अमित शाह ने मणिपुर के मुख्य सचिव को विस्थापित लोगों के लिए उचित स्वास्थ्य, शिक्षा सुविधाएं और उनका पुनर्वास सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने रिलीफ कैंपों की स्थिति की भी समीक्षा की। साथ ही अधिकारियों को पीड़ितों के भोजन, पानी, दवाओं और अन्य बुनियादी सुविधाओं की उचित उपलब्धता का इंतजाम करने को कहा।

मैतेई और कुकी समुदाय से भी करेंगे बात

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि गृह मंत्रालय शांति की स्थापना के लिए मैतेई और कुकी समुदाय से बात करेगा, ताकि जल्द से जल्द जातीय विभाजन को पाटा जा सके।

इस मीटिंग में आर्मी चीफ जनरल मनोज पांडे, केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला, आईबी चीफ तपन डेका, अगले सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी, मणिपुर सरकार के सुरक्षा सलाहकार, असम राइफल्स के डीजी, मणिपुर के चीफ सेक्रेटरी और डीजीपी समेत सेना और गृह मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

पाकिस्तान-आयरलैंड मैच में हाईवोल्टेज ड्रामा, शाहीन-रिजवान और बाबर के बीच रिव्यू को लेकर दिखी अनबन

पाकिस्तान और आयरलैंड के बीच टी20 विश्व कप 2024 का 36वां मुकाबला खेला गया। दोनों ही टीमें विश्व कप से बाहर हो चुकी हैं। ऐसे में यह एक औपचारिक मुकाबला रहा, जिसमें दोनों टीमें सम्मान बचाने के लिए उतरीं। पहले बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 106 रन बनाए। हालांकि, एक वक्त आयरलैंड ने 32 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे। इसके बावजूद टीम 100 के पार पहुंची। इस मैच में हाईवोल्टेज ड्राम देखने को मिला। कप्तान बाबर आजम, गेंदबाज शाहीन अफरीदी और विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के बीच रिव्यू को लेकर भारी कन्फ्यूजन दिखा।

रिव्यू लें या नहीं लें किसी को समझ नहीं आया। इसका वीडियो भी आईसीसी ने शेयर किया है। जिस पर पाकिस्तान ने रिव्यू लिया, उस पर बल्लेबाज नॉटआउट रहा, जबकि जिस पर रिव्यू नहीं लिया, उस पर बल्लेबाज आउट था। हालांकि, यह जिम्मा विकेटकीपर का होता है कि वह गेंदबाज और कप्तान को बताए कि रिव्यू लेना है या नहीं, लेकिन रिजवान ने कुछ नहीं बताया।

सॉल्वर गैंग गिद्ध दृष्टि पड़ जाती हैं बिहार के सॉल्वर छात्रों पर नीट पेपर लीक कांड मामले में 9 परीक्षार्थियों से पूछताछ के लिए सवाल तैयार

पटना (ईएमएस)। नीट पेपर लीक कांड मामले में 18-19 जून को आर्थिक अपराध इकाई जिन 9 परीक्षार्थियों से पूछताछ करेगी, उसकी तैयारी कर ली गई है। परीक्षार्थियों के अभिभावकों से इसकी जानकारी ली जाएगी की क्या पहले से ही उनसे किसी तरह का कोई ब्लैंक चेक लिया गया है? बता दें, ये वहीं 9 परीक्षार्थी हैं, जिनका रोल नंबर सॉल्वर गैंग के गिरफ्तार मेंबर्स के पास से मिला है। नीट पेपर लीक कांड की घटना के बाद देश भर में इसकी चर्चा हो रही है।

जब भी कहीं पेपर लीक होता है, तब कहीं ना कहीं से उसके तार बिहार आकर जरूर जुड़ते हैं। सवाल यहीं उठता है कि आखिर सॉल्वर गैंग को बिहारी छात्रों की जरूरत ही क्यों पड़ती है। इसका सीधा सा जवाब सिर्फ एक शब्द में है, वह टैलेंट यानी प्रतिभा। आप किसी भी परीक्षा को देख ले उसमें बिहारी प्रतिभाओं ने हमेशा अपना लोहा बनवाया है। लेकिन कई बार यह टैलेंट पटना की सड़कों पर चाय बेचते, मुजफ्फरपुर की सड़कों पर लिट्टी बेचते नजर आता है। कई बार प्रतिभाशाली छात्र कट ऑफ न आ पाने की वजह से उस मुकाम को हासिल नहीं कर पाते जिसका वह सपना देखते हैं।

इस बारे में एक वरिष्ठ पत्रकार बताते हैं कि अगर सॉल्वर गैंग के चंगुल में फंसे सॉल्वर छात्रों को देखा जाए। उन में ज्यादातर अन रिजर्व कैटेगरी के छात्र होते हैं। यह वे छात्र होते हैं जिनमें प्रतिभा होती है, लेकिन हाई कट ऑफ के चलते वह प्रतियोगी परीक्षाओं में पीछे रह जाते हैं। इन छात्रों पर सॉल्वर गैंग की गिद्ध दृष्टि पड़ ही जाती है। आर्थिक तंगी झेल रहे छात्र भी मोटी रकम के झांसे में आकर सॉल्वर गैंग के हाथों का मोहरा बन जाते हैं। इस पूरे खेल में कुछ कोचिंग संस्थानों की भी भूमिका इसमें संदिग्ध होती है।

चार नक्सली ढेर.. दो गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम (ईएमएस)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम में सुरक्षा बलों ने 4 नक्सलियों को मार गिराया है। इसमें एक महिला नक्सली भी शामिल है। पुलिस ने नक्सलियों के पास से भारी मात्रा में हथियार बरामद भी किए गए हैं। इलाके में अभी भी कई नक्सलियों के छिपे होने की खबर है। सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। जानकारी एसपी आशुतोष शेखर ने दी है। घटना जिले के गुवा थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने बताया कि चार नक्सलियों में से एक जोनल कमांडर, एक सब जनरल कमांडर, एक एरिया कमांडर और एक महिला नक्सली है। मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों ने दो नक्सलियों को पकड़ा भी है। इनमें एक एरिया कमांडर है। एक हार्डकोर महिला नक्सली है। सीआरपीएफ, झारखंड पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन के बाद ये कामयाबी मिली है।

मोहन भागवत की योगी से भी नहीं हुई मुलाकात, चर्चाओं का बाजार गर्म

लखनऊ (ईएमएस)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघ चालक मोहन भागवत की यूपी के गोरखपुर में प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात न होना कई चर्चाओं को जन्म दे गया है। चर्चा शुरू हो गई है कि क्या लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद बीजेपी और आरएसएस के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। पांच दिनों के गोरखपुर प्रवास पर आए सरसंघ चालक और सीएम योगी के बीच मुलाकात होने की चर्चाएं थी, लेकिन मुलाकात ना होने के मायने निकाले जाने लगे हैं।

लोकसभा चुनाव में भले ही पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए ने सरकार बना ली है, लेकिन 2014 और 2019 लोकसभा की तरह बीजेपी को बहुमत नहीं मिला है। सबसे खराब प्रदर्शन यूपी में रहा है। नतीजे आने के बाद आरएसएस नेताओं की प्रतिक्रिया से देश भर की राजनीति गरमा गई है। इसी बीच दावा किया जा रहा था कि सीएम योगी आदित्यनाथ की आरएसएस चीफ मोहन भागवत से गोरखपुर में मुलाकात हो सकती है, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखिया मोहन भागवत बीते बुधवार को आरएसएस के कार्यकर्ता विकास वर्ग के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गोरखपुर पहुंचे थे।

गोरखपुर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गृह जनपद है। इस कार्यक्रम में मोहन भागवत मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लेने आए थे। इसी बीच, सीएम योगी आदित्यनाथ शनिवार को गोरखपुर पहुंचे थे। वह शनिवार और रविवार दो दिन यहां पर उनकी मोहन भागवत से मुलाकात नहीं हुई। वहीं पांच दिनों तक गोरखपुर में रहने के बाद आज गोरखपुर से रवाना हो गए।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, सीएम योगी ने दो बार मिलने का समय मांगा था लेकिन भागवत ने मिलने का समय नहीं दिया। सूत्रों का दावा है कि सीएम योगी ने शनिवार को दोपहर दो बजे और फिर छह बजे समय मांगा था। इसको लेकर अलर्ट भी हुआ, लेकिन आखिर में दोनों नेताओं के बीच मुलाकात नहीं हो पाई। कहा जा रहा है कि गोरखपुर में संघ के कार्यक्रम में मोहन भागवत के शामिल होने का मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम पहले से तैयार था। ऐसे में किसी नेता के कार्यक्रम में शामिल होने और मुलाकात होना संभव नहीं था।

मोदी मंत्रिमंडल में क्यों नहीं शामिल हुए कुलस्ते....बात दी वजह

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव में जीत के बाद मोदी सरकार 3.0 का शपथ ग्रहण हुआ। लेकिन तीन बार के सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली। मंडला लोकसभा सीट से सातवीं बार जीत दर्ज कर चुके बीजेपी के आदिवासी नेता कुलस्ते ने कहा कि मैं तीन बार राज्यमंत्री (एमओएस) रहा हूं। चौथी बार राज्यमंत्री बनना सही नहीं है। इस कारण मैंने साफ इंकार कर दिया। मैंने कह दिया कि कैबिनेट मंत्री बनना सही रहेगा।

बता दें कि कुलस्ते पिछले मोदी मंत्रिमंडल में ग्रामीण विकास राज्यमंत्री थे। वे मोदी के पहले कार्यकाल के दौरान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री थे। वह 1999 से 2004 के बीच अटल बिहार वाजपेयी के कार्यकाल के दौरान आदिवासी और संसदीय मामलों के राज्यमंत्री पद भी संभाल चुके हैं। उन्होंने पिछले साल विधानसभा चुनाव भी लड़ा था, लेकिन हार गए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में तीसरी बार पीएम पद की शपथ ली थी। मोदी सरकार 3.0 में कुल मंत्रियों की संख्या 72 हैं, जिसमें 30 मंत्री कैबिनेट का हिस्सा हैं। इनके अलावा 5 मंत्रियों को स्वतंत्र प्रभार दिया गया है। वहीं, 36 सांसदों को राज्य मंत्री का पद दिया गया है। मोदी कैबिनेट 3.0 में कई मंत्रियों को शामिल किया गया है, जो मोदी सरकार 2.0 में भी मंत्री रहे हैं।

बांदीपुरा में दिखी संदिग्ध गतिविधि...सेना का सर्च ऑपरेशन

बांदीपुरा (ईएमएस)। उत्तरी कश्मीर के बांदीपुरा जिले के अरागाम इलाके में संदिग्ध गतिविधि दिखाने के बाद सेना के जवानों ने गोलीबारी की। राज्य पुलिस और सेना की संयुक्त टीम ने इलाके में तलाशी अभियान चलाया। सूत्रों के अनुसार, माना जा रहा है कि जंगल के इलाके में 2 आतंकवादी फंसे हुए हैं।

यह घटनाक्रम जम्मू-कश्मीर के रियासी, कठुआ और डोडा जिलों सहित कई इलाकों में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान के बीच हुआ है। इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक उच्च स्तरीय बैठक की।

उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को जम्मू संभाग में क्षेत्र वर्चस्व और शून्य-आतंकवाद योजनाओं को लागू करने का निर्देश दिया, जैसा कि उन्होंने कश्मीर में किया था। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार अभिनव तरीकों के माध्यम से जम्मू और कश्मीर में आतंकवादियों पर नकेल कस कर एक उदाहरण स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सीआईडी की टीम ने येदियुरप्पा से करीब 3 घंटे तक पूछताछ की

बेंगलुरु (ईएमएस)। पोक्सो मामले में कर्नाटक के पूर्व सीएम और बीजेपी नेता बीएस येदियुरप्पा से सीआईडी की टीम ने करीब 3 घंटे तक पूछताछ की। मार्च में येदियुरप्पा के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण यानी पॉक्सो एक्ट के तहत शिकायत दर्ज की गई थी। एक महिला ने आरोप लगाया कि जब वे मदद मांगने पूर्व सीएम के आवास पर गईं, तो उनकी बेटी को परेशान किया गया। इस बीच येदियुरप्पा ने कहा कि उन्हें कानून और न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है।

येदियुरप्पा ने सभी आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने कहा, जो लोग उनके खिलाफ साजिश कर रहे हैं, उन्हें लोग ही सबक सिखाएंगे। मैं कानूनी तौर पर अदालत में आरोपों से लड़ूंगा। इस मामले में गिरफ्तारी का सामना कर रहे येदियुरप्पा को शुक्रवार को अस्थायी राहत मिल गई है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने पुलिस को उनके खिलाफ कार्यवाही शुरू नहीं करने का निर्देश दिया है।

3 मार्च 2024 को पीड़िता की मां ने सदाशिवनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी नाबालिग बेटी का यौन उत्पीड़न किया गया है। इस घटनाक्रम के बाद बीजेपी और कांग्रेस के बीच तीखी नोकझोंक हुई थी। वहीं, येदियुरप्पा ने अपने ऊपर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों को खारिज किया था। उन्होंने कहा था- कुछ दिन पहले एक महिला मेरे घर आई थी, वह रोते हुए कह रही थी कि कुछ समस्या है। मैंने उससे पूछा कि मामला क्या है। मैंने खुद पुलिस को फोन किया कमिश्नर को मामले की जानकारी दी और उनसे उसकी मदद करने को कहा। बाद में महिला मेरे खिलाफ बोलने लगी।

पीएम किसान योजना की 17वीं किस्त आज होगी जारी, 9.26 करोड़ से अधिक किसानों को 20,000 करोड़ से अधिक का लाभ मिलेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को वाराणसी में पीएम किसान योजना की 17वीं किस्त जारी करेंगे, जिसमें 9.26 करोड़ से अधिक किसानों को 20,000 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ मिलेगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री कृषि सखी के रूप में प्रशिक्षित 30,000 से अधिक एसएचजी को पैरा एक्सटेंशन कार्यकर्ताओं के रूप में काम करने के लिए प्रमाण पत्र भी वितरित करेंगे ताकि वे पैरा-विस्तार कार्यकर्ता के रूप में काम कर सकें और साथी किसानों को खेती में मदद कर सकें।

तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पीएम मोदी ने किसान सम्मान निधि योजना की 17वीं किस्त किसानों के खाते में ट्रांसफर करेंगे। इससे पहले 28 फरवरी को 16वीं किस्त जारी की गई थी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की शुरुआत 1 फरवरी 2019 को हुई थी, जिसके तहत अब तक 16 किस्तें किसानों के खाते में ट्रांसफर की जा चुकी है।

इस योजना के तहत किसानों को हर साल तीन किस्तों में 6000 रुपये दिए जाते हैं। ये राशि सीधे किसानों के खाते में भेजी जाती है। केंद्र सरकार ने पीएम किसान योजना का लाभ उठाने के लिए ई-केवाईसी प्रक्रिया को अनिवार्य कर दिया है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पीएम मोदी ने सबसे पहले पीएम किसान योजना की 17वीं किस्त जारी करने से संबंधित फाइल पर हस्ताक्षर किए। पीएम किसान योजना की शुरुआत से अब तक देश भर के 11 करोड़ से अधिक किसानों को 3.04 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित की जा चुकी है।

क्या है वजहः मालदीव के मुइज्जू पर मेहरबान पीएम मोदी,पहले न्योता अब बधाई

नई दिल्ली(ईएमएस)। पाकिस्तान की तरह ही मालदीव अब चीन की गुलामी पर उतर आया है। मगर भारत का सबसे अच्छा पड़ोसी चीन का गुलाम बन जाए और अपना दुश्मन बन जाए, यह बात प्रधानमंत्री मोदी को तनिक भी रास नहीं आई। यही वजह है कि मोदी 3.0 में मालदीव और भारत के बेपटरी हुए रिश्ते को पटरी पर लाने की कवायद तेज हो गई है। इसकी पहली बानगी तब दिखी जब पीएम मोदी ने अपने शपथ ग्रहण समारोह में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को खास मेहमान के तौर पर बुलाया। और अब तो पीएम मोदी ने बकरीद पर मुइज्जू को बधाई संदेश भी भेज दिया। पीएम नरेंद्र मोदी चीन को हर चाल को समझ रहे हैं। वह जानते हैं कि चीन की साजिश को तभी नाकाम किया जा सकता है जब पड़ोसी देशों से रिश्ते अच्छे हों। इसलिए मालदीव के तनावपूर्ण रिश्तों के बाद भी उन्होंने बड़ा दिल दिखाया और मालदीव के राष्ट्रपति को अपने तीसरे शपथ ग्रहण में विशेष आमंत्रण दिया। मुइज्जू भी आए और भारत से बेपटरी हुए रिश्ते को पटरी पर लाने की कोशिश की। और अब पीएम मोदी ने उन्हें बकरीद की बधाई दी है। पीएम मोदी की इस रणनीति से साफ समझा जा सकता है कि वह अपने पड़ोसी देश से अच्छे रिश्ते चाहते हैं। और पड़ोसी देश के बहाने पीएम मोदी चीन की तमाम साजिश को नाकाम करना चाह रहे हैं।

चीन की रणनीति हमेशा से भारत को घेरने की रही है। हिंद महासागर में दबदबा बनाने के लिए चीन तमाम तरह के तिकड़म कर रहा है। पहले उसने श्रीलंका को कर्ज दे-देकर डुबोया। फिर उसका इस्तेमाल कर अपना जासूसी जहाज श्रीलंका के तट पर खड़ा किया। चीन की यह चाल भी भारत को घेरने की ही थी। अब श्रीलंका की आर्थिक स्थिति दयनीय है। अब भारत को घेरने के लिए चीन मालदीव का इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि मालदीव भी इस बात को नहीं समझ रहा है और चीन के झांसे में आ रहा है। हाल ही में चीन ने मालदीव के तट पर अपना जासूसी जहाज खड़ा किया था। जिसके बाद खूब बवाल मचा था। हालांकि चीन ने तर्क दिया था कि उसका यह जहाज रिसर्च के लिए यहां आया है। दरअसल पिछले साल मालदीव ने मुइज्जू की सरकार बनी।

मुइज्जू को चीन समर्थक माना जाता है। सरकार में आते ही मुइज्जू ने भारत विरोधी कई कदम उठाए। जिसकी वजह से रिश्ते ख

जन हितैषी

चुनाव आयोग और भाजपा की जान ईवीएम में?

भारत में ईवीएम की लड़ाई अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच रही है। लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद, लोकसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयोग की भूमिका, भारत सरकार द्वारा चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में की गई मनमानी, भारतीय जनता पार्टी का 2014 के बाद ईवीएम का प्रेम, केंद्र में बहुमत की सरकार होने से न्यायपालिका का कमजोर होना, न्यायपालिका द्वारा चुनाव आयोग की संवैधानिक शक्तियों के आगे अपने आप को वास्तविकता से अलग-थलग कर लेने से यह विवाद बढ़ता ही जा रहा था। चुनाव आयोग और ईवीएम की निष्पक्षता को लेकर पिछले 5 वर्षों से सुप्रीम कोर्ट में यह लड़ाई लड़ी जा रही है। यह लड़ाई अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। दुनिया के आईटी,सोशल मीडिया इंडस्ट्री तथा दुनिया के सबसे बड़े कारोबारी एलन मस्क ने ईवीएम मशीन की चिंगारी में आग लगाने का काम कर दिया है। एलन मस्क ने पोस्ट में लिखते हुए कहा, ईवीएम को खत्म कर देना चाहिए। इसे इंसानों और एआई के माध्यम से आसानी से हैक किया जा सकता है। एलन मस्क के बयान के बाद राहुल गांधी का भी बयान आया। उन्होंने ईवीएम मशीन को ब्लैक बॉक्स की तरह बता दिया। चुनाव आयोग जिस तरह से ईवीएम मशीन और उसके सॉफ्टवेयर से संबंधित जानकारी को छुपा रहा है। जांच करने की इजाजत चुनाव आयोग किसी को नहीं देता है। चुनाव प्रक्रिया में कोई पारदर्शिता नहीं रह गई है। चुनाव आयोग की भी कोई जवाब देही नहीं है। चुनाव आयोग जो कहे, वही सही मान लिया जाता है। सूचना अधिकार कानून के तहत भी चुनाव आयोग मांगी हुई जानकारी नहीं देता है। चुनाव के कई महीने पहले से विपक्षी दल चुनाव आयोग से मिलने का समय मांग रहे थे। चुनाव आयोग ने विपक्षी दलों को मिलने का और बैठक करने का समय भी नहीं दिया। इससे चुनाव आयोग की निष्पक्षता भी प्रभावित हुई है। 2024 के लोकसभा चुनाव में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन, सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों द्वारा किया गया। उस मामले में चुनाव आयोग ने चुप्पी साथ रखी थी। सत्ता पक्ष की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की। चुनाव लड़ने के लिए सभी राजनीतिक दलों को समान अवसर मिले। इसकी जिम्मेदारी चुनाव आयोग की थी। चुनाव के दौरान सरकार और जाँच एजेंसियां विपक्षी दलों को घेरने का काम करती रहीं। विपक्षी दलों को चुनाव प्रचार करने से रोकने या बाधित करने के लिए तरह-तरह के प्रयास विभिन्न स्तरों पर किए गए। मतदान के बाद जिस तरह से फॉर्म 27 की जानकारी छुपाने का काम किया है। मतदान का आंकड़ा छुपाया गया। कहीं मतदान से ज्यादा, कहीं मतदान से कम मतगणना हुईं। ईवीएम मशीन में डाले गए वोट का मतगणना से मिलान नहीं हुआ। मतदाता पर्चियां को गिनने से चुनाव आयोग निरंतर इनकार करता रहा। जिसके कारण चुनाव आयोग, ईवीएम मशीन, वीवीपेट की पर्चियां सभी शक के दायरे में हैं। मतगणना के दौरान सत्ता पक्ष के दबाव में काम करने के भी कई आरोप सामने आए हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में आम जनता, राजनीतिक दलों के नेताओं, दुनिया भर के राजनेताओं और कारोबारियों ने भारत मे हुए चुनाव की स्थिति का आकलन किया है। भारत में नियम और कानून का पालन हो रहा है या नहीं। इसे वैश्विक दुनिया बड़ी गंभीरता के साथ देखती है। एलन मस्क के बयान से अब ज्यादा दिनों तक ईवीएम मशीन से मतदान कराना चुनाव आयोग के लिए संभव नहीं होगा। चुनाव में पारिदर्शिता लानी ही होगी। मुंबई में शिवसेना शिंदे गुट के सांसद की 48 वोटो से जो जीत हुई है। निर्वाचन अधिकारी वंदना सूर्यवंशी और जीते हुए सांसद के रिश्तेदार द्वारा मतगणना स्थल पर मोबाइल फोन का उपयोग करने के सबूत मिलने के बाद यह मामला भी तूल पकड़ने लगा हैं। 10 बरस के बाद विपक्ष पहले की तुलना में मजबूत हुआ है। विपक्ष भी अब न्यायपालिका में अपने हितों की लड़ाई लड़ना सीख गया है। न्यायपालिका के ऊपर भी अपने अस्तित्व को बचाए रखने का दबाव है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के वकीलों ने चुनाव आयोग और ईवीएम मशीन की गड़बड़ियों को लेकर न्यायपालिका के अंदर अपना पक्ष बड़ी मजबूती के साथ रख रहे हैं। इन सारी स्थितियों को देखते हुए संभावना बनने लगी है। जल्द ही भारत में ईवीएम मशीन के स्थान पर वैलेट पेपर से चुनाव कराने का रास्ता साफ हो सकता है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है, 2009 से 2014 तक ईवीएम हटाने की मांग भारतीय जनता पार्टी के लोह पुरुष लालकृष्ण आडवाणी तथा भाजपा के सभी लोग कर रहे थे। ईवीएम मशीन के खिलाफ बड़ी-बड़ी किताबें भी लिखी गई। 2014 में केंद्र की सत्ता मिल जाने के बाद अब भारतीय जनता पार्टी ईवीएम से चुनाव कराने का समर्थन कर रही है। 2009 से 2014 के बीच में भाजपा की नेताओं ने ईवीएम मशीन पर भारी रिसर्च की थी। केंद्र की सत्ता में आने के बाद उसी रिसर्च का फायदा उन्हें ईवीएम की मशीनों से वर्तमान में मिल रहा है? इसलिए वह सत्ता में रहते हुए ईवीएम के समर्थन पर अपना पूरा जोर लगा रहे हैं। यह अलग बात है, जिस दिन भारतीय जनता पार्टी की सत्ता केंद्र में नहीं होगी, तो यही पार्टी सबसे ज्यादा विरोध ईवीएम का करेगी। बहरहाल दुनिया में ईवीएम मशीन को कहीं पर भी सुरक्षित नहीं माना जाता है। दुनिया के सभी विकसित और विकासशील देशों में बैलेट पेपर से चुनाव बंद हैं। एलन मस्क के बयान से ईवीएम मशीन से चुनाव कराना भविष्य में आसान नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई जल्द शुरू होगी। इस बार सुप्रीम कोर्ट का फैसला ईवीएम मशीन के बारे में अति महत्वपूर्ण होगा। ऐसी संभावना व्यक्त की जा रही है।

कभी अपने भी दांत गिनकर देखे इंसान

आज मै एक ऐसे विषय पर आपके सामने हूँ जो प्रायः किसी विमर्श का हिस्सा नहीं होता। आज का विषय है दांत। दन्त मनुष्य के ही नहीं अपितु तमाम स्तनपायी जानवरों का एक जरूरी और महत्वपूर्ण अंग है। इसका अपना विज्ञान है । चिकित्स्क हैं, उपचार है । कहावतें हैं ,मुहावरे हैं। मनुष्य दांतों के मामले में बहुत लापरवाह भी होता है और सजग भी । दुनिया में जब पशुओं की उम्र का पता लगाने का कोई विज्ञान नहीं था तब पशुओं के दांत गिनकर ही उनकी उम्र का पता लगाया जाता था । दांत गिनना धर्म का काम भी है और नहीं भी।

आज बकरीद है इसलिए आपको बता दूँ कि इस्लाम धर्म के अनुयायी कुर्बानी के लिए बकरा खरीदते समय उसके दांत जरूर गिनते हैं ,ये एक धार्मिक बाध्यता है ,क्योंकि ऐसा माना जाता है कि केवल 1 साल के बकरे की ही कुर्बानी दी जानी चाहिए। इस वजह से यदि किसी बकरे के दो, चार या फिर छह दांत होते हैं तो ही उनकी कुर्बानी दी जाती है। न ही नवजात और न ही बुजुर्ग बकरे की कुर्बानी दी जाती है.। ऐसे में यदि किसी बकरे के दांत नहीं हैं या फिर किसी बकरे के दांत दो, चार या फिर छह से ज्यादा हैं तो उसकी कुर्बानी नहीं दी जाती ।

हमारे शहर ग्वालियर में एक शताब्दी पुराना पशु मेला लगता है। इस मेले में मैंने खरीदारों को गाय,बैल,भैंस,बकरी,घोड़ा यहां तक कि ऊँट के दांत गिनते देखा है। जानकार पशुओं के दांत गिनकर उनकी उम्र का अनुमान लगा लेते हैं,यानि पशु विक्रेता अपने माल की उम्र को लेकर ज्यादा ठगी नहीं कर सकता। दांत गिनना एक कला भी है और विज्ञान भी । मनुष्यों में 32 दांत होते हैं। इन्हें भी कभी गिना जाता है और कभी नहीं भी । मनुष्य के दांतों में एक दांत का नाम अक्लदाढ़ भी होता है। ये या तो निकलती नहीं है और यदि निकलती है तो बहुत कष्ट देती है।

बहरहाल दांत को लेकर कहावतें हैं और मुहावरे भी । आपने दांत काटी रोटी के बारे में सुना होगा । सुना होगा कि जब दांत थे तब चने नहीं थे और जब दांत नहीं है तो चने हैं । आपने सुना होगा कि - दान की बछिया के दांत नहीं गिने जाते । हमारे यहां तो किसी को परास्त करने या छकाने के लिए भी जो मुहावरा है उसे दांत खट्टे करना कहते हैं। एक कहावत हाथी के दांतों को लेकर भी है कि- हाथी के दांत दिखाने के और खाने के और होते है। दांत हाथी के और कहावत मनुष्यों के लिए बनी है।

दांत निपोरने के काम भी आते हैं।निपोरने वाले दांतों को खीसें कहते हैं। खीसें निपोरना एक पालटीकल कला है। संसद और विधानसभाओं में जाने वाले तमाम लोग सिर्फ खीसें निपोर कर ही अपना कार्यकाल पूरा कर लेते हैं। संसद में खीसें निपोरने वालों की लंबी फेहरिस्त है। कुछ अभी मौजूद हैं और कुछ फोत हो गये । कुछ के दांत आंत में विलीन हो जाते हैं, नजर ही नहीं आते।

मै जिन दांतों की बात कर रहा हूँ वे बहुउदेशीय होते है। दुनिया बनाने वाले ने दांत बनाते समय ही उनका काम भी तय कर दिया था शायद इसीलिए आप ये जानकर हैरान होंगे कि दाँत का काम सिर्फ किसी चीज को पकड़ना, काटना, फाड़ना और चबाना ही नहीं है। जानवर इन दांतों से कुतरने खोदने , सँवारने और लड़ने का काम लेते हैं। दाँत, आहार को काट-पीसकर गले से उतरने योग्य बनाते हैं।खुद ईश्वर ने एक अवतार में अपने दांतों से सकल ब्रम्हांड को ऊपर उठा लिया था।

जब हम विज्ञान के छात्र थे तो हमें पढ़ाया जाता था कि दाँत की दो पंक्तियाँ होती हैं,ऊपर के जबड़े के दांतों को जम्भिक या मैक्सलरी कहते हैं जबकि नीचे के जबड़े के दांत चिबुक या मैंडिब्युलर कहे जाते हैं। ऊपर का जबड़ा स्थिर यानि मेरी तरह अचल रहता है और नीचे का सचल। खोपड़ी से मैंडिबुल को बाँधनेवाली पेशियों की सहायता से यह आगे पीछे तथा ऊपर नीचे चलकर काटने की और चक्राकार गति द्वारा चबाने की, क्रिया करता है। कहते हैं कि ईश्वर ने दाँत को शरीर की सबसे मजबूत अस्थि के रूप में निर्मित किया है। अंतिम संस्कार के समय आग में तमाम अस्थियां जलकर राख भले ही हो जाएँ लेकिन दांत सुरक्षित रहते हैअन, इन्हें ही गंगा विसर्जन के लिए चुना जाता है । दांतों के प्रति सनातनियों का शृद्धा भाव इतना है कि वे इन्हें दन्त नहीं बल्कि फूल कहते हैं। यानि अस्थि संचय कि क्रिया फूल चुनना भी कही जाती है। यह क्रिया मानव जाती में श्मशान वैराग्य उतपन्न करती है।

ईश्वर दांत बनाने के मामले में बड़ा ही उदार रहा। ईश्वर ने केवल मनुष्य या दूसरे स्तन पायी जीवों को ही दांत नहीं दिए बल्कि जलचरों और सरी-सर्पों को भी इस ईनाम से बक्शा। मछलियों के पास दांत हैं तो सर्पों के पास भी हैं। दांत न होते तो क्या राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर लिख पाते कि -

क्षमा शोभती उस भुजंग को
जिसके पास गरल हो
उसको क्या जो दंतहीन
विषरहित, विनीत, सरल हो।

दंतपंक्तियों को लेकर साहित्यकारों ने बड़ी-बड़ी उपमाएं खोजी है। अक्सर दांतों केलिए दाड़िम पंक्ति डअनार के दानों कि पंक्तियाँ . का इस्तेमाल किया जाता है। दांतों का कथाओं से क्या रिश्ता है ,मुझे नहीं पता,किन्तु मै बचपन से दन्त कथाओं के बारे में सुनता आया हू। बहुत सी दन्त कथाएं मैंने पढ़ी भी हैं। अब तो दन्त चिकित्सा और दन्त औषधि विज्ञान अरबों -खरबों का बाजार है। कोई दन्त क्रांति बना रहा है तो किसी ने वर्षों पहले विको वज्रदंती बनाई थी । यानि यदि दुनिया में दांत न होते तो क्या ये सब मुमकिन था। इसीलिए कहा जाता है कि जब तक ज़िंदा रहना है तब तक मुंह में दांत और पेट में आंत सही सलामत होना चाहिए।

कभी-कभी दांतों की आकृति के आधार पर नामकरण भी हो सकता है । महाभारतकाल में दन्तवक्र का उल्लेख आता है। महाभारत के अनुसार योगिराज कृष्ण कि मौसी श्रुतदेवी का विवाह करूषाधिपति वृद्धशर्मा से हुआ था और उसका पुत्र था दन्तवक्र।सम्भवत दन्तवक्र के दन्त टेढ़े रहे होंगे। श्रुतदेवी श्री कृष्ण की माता देवकी की छोटी बहन थी। जब शाल्व ने द्वारका पर आक्रमण किया, तब दन्तवक्र भी शाल्व की ओर से कृष्ण के विरुद्ध युद्ध में लड़ा था। भगवान गणेश को तो सब एक दन्त कहते ही हैं।

कुलजमा मेरा कहना है कि मनुष्य केवल बकरों ,गायों-भैंसों घोड़ों या दूसरे जानवरों के ही दांत न गिने कभी समय निकलकर अपने दांतों की भी गणना करे। देखे कि वे कितने पैने हो चुके हैं ,या उनमें कितने कीड़े लग चुके है। अपने दांतों को गिनना भी आत्मपरीक्षण की एक विधा है। इति-मित्थम। (लेखक राकेश अचल / ईएमएस)

फिर आतंकी हमलें, कायम हो शांति का उजाला

यह आशंका सच साबित हो रही है कि भाजपा को पूर्ण बहुमत न मिलने पर कश्मीर में आतंकी घटनाएं बढ़ेंगी एवं पाकिस्तान पोषित आतंकवाद फिर से फन उठाने लगेगा। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान से पाकिस्तान बौखलाया है। इसी का परिणाम है लगातार हो रहे आतंकी हमलें। इन हमलों ने आंतरिक सुरक्षा के लिये नये सिरे से चुनौती पैदा की है। जम्मू में रियासी, कठुआ और डोडा में चार दिनों में चार आतंकी हमले चिन्ता का बड़ा कारण बने है। रविवार को रियासी में श्रद्धालुओं से भरी बस के चालक पर हुए हमले के बाद बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई थी। जिसमें नौ श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। फिर कठुआ व डोडा में हुए आतंकी हमलों में एक जवान और दो आतंकवादी मारे गए हैं। लम्बे समय की शांति, अमन-चैन एवं खुशहाली के बाद एक बार फिर कश्मीर में अशांति एवं आतंक के बादल मंडराये हैं। धरती के स्वर्ग की आभा पर लगे ग्रहण के बादल छंटने लगे थे कि एक बार फिर कश्मीर को अशांत करने की कोशिशें तीव्र होते हुए दिख रही है। केन्द्र में गठबंधन वाली मोदी सरकार के सामने यह एक बड़ी चुनौती है।

इन आतंकी घटनाओं को केन्द्र सरकार ने गंभीरता से लिया है। कुछ गिरफ्तारियां भी हुई और हथियार भी बरामद हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गुरुवार को प्रधानमंत्री ने गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल व सुरक्षा एजेंसियों के साथ बैठक की है। इसमें आतंकवाद की नई चुनौती से मुकाबले की रणनीति पर विचार हुआ है। दरअसल, नई सरकार बनने की प्रक्रिया के दौरान हुए इन हमलों में पाक की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन पाकिस्तान यह बड़ी भूल कर रहा है, क्योंकि मोदी सरकार की दृढ़ता एवं साहस को चुनौती देना इतना आसान नहीं है। फिर भी लगातार हुए आतंकी हमले चिंता तो बढ़ा ही रहे हैं। एलओसी से लगते जम्मू के इलाके में आतंकवादी घटनाओं का बढ़ना गंभीर हैं, चिन्ताजनक है। मारे गये दो आतंकवादियों के पास से पाकिस्तानी हथियार व सामान की बरामदगी बताती है कि पाकिस्तान सत्ता प्रतिष्ठानों की मदद से यह आतंक का खेल फिर शुरू कर रहा है। कहीं न कहीं दिल्ली में बनी गठबंधन सरकार को यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि पाक पोषित आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में शांति एवं अमन को कायम नहीं रहने देंगे।

मैंने चुनाव से पूर्व अपनी एक सप्ताह की कश्मीर यात्रा में देखा कि केन्द्र सरकार ने कश्मीर में विकास कार्यों को तीव्रता से साकार किया है, न केवल विकास की बहुआयामी योजनाएं वहां चल रही है, बल्कि पिछले 10 सालों में कश्मीर में आतंकमुक्त करने में भी बड़ी सफलता मिली है। बीते साढ़े तीन दशक के दौरान कश्मीर का लोकतंत्र कुछ तथाकथित नेताओं का बंधुआ बनकर गया था, जिन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिये जो कश्मीर देश के माथे का ऐसा मुकुट था, जिसे सभी प्यार करते थे, उसे डर, हिंसा, आतंक एवं दहशत का मैदान बना दिया। लेकिन वहां विकास एवं शांति स्थापना का ही परिणाम रहा कि चुनाव में लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेकर लोकतंत्र में अपना विश्वास व्यक्त किया। कहा जा सकता है कि राज्य में लोकतंत्र को मजबूत होते देख बौखलाहट में ये आतंकवादी हमले किये जा रहे हैं। दरअसल, केंद्रशासित प्रदेश का शांति-सुकून की तरफ बढ़ना आतंकवादियों की हताशा को ही बढ़ाता है। हाल के दिनों में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटकों का घाटी में आना और लोकसभा चुनाव में बंपर मतदान सीमा पार बैठे आतंकियों के आकाओं को रास नहीं आया है।

जम्मू के इलाके में आतंकी घटनाओं में वृद्धि शासन-प्रशासन के लिये गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इन हमलों में पाकिस्तान की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। उल्लेखनीय है कि रविवार को हुए हमले की जिम्मेदारी जहां लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी गुट टीआरएफ ने ली तो डोडा में हुए हमले की जिम्मेदारी पाक पोषित जैश-ए-मोहम्मद के एक गुट कश्मीर टाइगर्स नामक आतंकी संगठन ने ली है। बहरहाल, भारतीय सेना व सुरक्षा बल आतंकवादियों को भरपूर जवाब दे रहे हैं। लेकिन इस माह के अंत में शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा का निर्बाध आयोजन सुरक्षा बलों के लिये बड़ी चुनौती होगी। जिसको लेकर विशेष चौकसी बरतने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर हाल के आतंकी हमले केंद्र सरकार व राज्य प्रशासन को भी आत्ममंथन का मौका देते हैं।

तीन दशकों से कश्मीर घाटी दोषी और निर्दोषी लोगों के खून की हल्दीघाटी बनी रही है। लेकिन वर्ष 2014 के बाद से, नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से वहां शांति एवं विकास का अपूर्व वातावरण बना है। गठबंधन की केन्द्र सरकार के सामने अब बड़ा लक्ष्य है वहाँ आतंक से अमन-चैन तक लाने के चले आ रहे मिशन को सफल करने का, लोकतंत्र को सशक्त बनाने का, विकास के कार्यक्रमों को गति देने का एवं कश्मीर के लोगों पर आयी मुस्कान को कायम रखने का। बेशक यह कठिन और पेचीदा काम है लेकिन राष्ट्रीय एकता और निर्माण संबंधी कौन-सा कार्य पेचीदा और कठिन नहीं रहा है? इन कठिन एवं पेचीदा कामों को आसान करना ही तो नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार का जादू रहा है। अब गठबंधन सरकार में भी वे अपने इस जादू को दिखाये।

इन आतंकी हमलों ने अनेक प्रश्न खड़े किये हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि कश्मीर की जनता क्यों राष्ट्र की मुख्यधारा से जुड़ नहीं पा रही है? क्या कश्मीरी लोगों में नई व्यवस्था में अपने अधिकारों की सुरक्षा व संपत्ति के अधिकारों को लेकर मन में संशय की स्थिति में वृद्धि हुई है? हमें यह तथ्य स्वीकारना चाहिए कि किसी भी राज्य में आतंकवाद का उभरना स्थानीय लोगों के सहयोग के बिना संभव नहीं हो सकता। वहीं यह भी हकीकत है कि कश्मीरी जनमानस का दिल जीतना शक्ति से नहीं बल्कि उनके अनुकूल नीतियां बनाने व लोकतंत्र की बहाली से ही संभव है। अब कश्मीर में आतंक का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होना ही चाहिए। आए दिन की हिंसक घटनाएं आम नागरिकों में भय का माहौल ही बनाती हैं। माना कि रोग पुराना है, लेकिन ठोस प्रयासों के जरिए इसकी जड़ का इलाज होना ही चाहिए। कश्मीरियों में अपनी सुरक्षा के प्रति भरोसा जगाना सरकार की पहली जिम्मेदारी है। घाटी में सक्रिय आतंकियों के खात्मे में सुरक्षा तंत्र ने काफी कामयाबियां हासिल की हैं। अब जरूरत है खुफिया तंत्र को दूसरी तरह की चुनौतियों का सामना करने को तैयार एवं सक्षम किया जाये। घाटी में हालात सुधरने के केंद्र सरकार के दावों की सत्यता इसी से परखी जाएगी कि घाटी में अल्पसंख्यक पंडित और प्रवासी कामगार खुद को कितना सुरक्षित महसूस करते हैं। वास्तव में देखा जाये तो असली लड़ाई कश्मीर में बन्दूक और सन्दूक की है, आतंकवाद और लोकतंत्र की है, अलगाववाद और एकता की है, पाकिस्तान और भारत की है। शांति का अग्रदूत बन रहा भारत एक बार फिर युद्ध के जंग की बजाय शांति प्रयासों एवं कूटनीति से पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाये, यह अपेक्षित है।

पाकिस्तान एक दिन भी चुप नहीं बैठा, लगातार आतंक की आंधी को पोषित करता रहा, अपनी इन कुचेष्ठाओं के चलते वह कंगाल हो चुका है, आर्थिक बदहाली में कटोरा लेकर दुनिया घूम आया, अब कोई मदद को तैयार नहीं, फिर भी उसकी घरेलू व विदेश नीति 'कश्मीर' पर ही आधारित है। कश्मीर सदैव उनकी प्राथमिक सूची में रहा। पाकिस्तान जानता है कि सही क्या है पर उसकी उसमें वृत्ति नहीं है, पाकिस्तान जानता है कि गलत क्या है पर उससे उसकी निवृत्ति नहीं है। कश्मीर को अशांत करने का कोई मौका वह खोना नहीं चाहता। आज के दौर में उठने वाले सवालों में ज्यादातर का जवाब गठबंधन की मोदी सरकार को ही देना है, उसे सटीक जबाव देकर आतंकियों के मनसूंबों को ढेर करना होगा, पडोसी देश की गर्दन को एक बार फिर मरोड़ना होगा। यह बात भी सही है कि इस मसले को दलगत राजनीति से दूर रखना होगा। (लेखक ललित गर्ग/ईएमएस)

उसने भी रिश्वत दी होगी इसलिए वो भी रिश्वत ले रही थी ...

(कहो तो कह दूं)

एक खबर अखबार में पढ़ी कि जयपुर में पदस्थ एक महिला डिप्टी कलेक्टर पोने दो लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ी गई। वैसे आजकल रिश्वत लेते हुए पकड़े जाने की खबर कोई खास मायने रखती नहीं, क्योंकि आए दिन कोई ना कोई रिश्वत लेते हुए पकड़ा जाता है अखबार भी चार लाइन में उसको निपटा देता है और पाठक भी उन खबरों का ध्यान नहीं देते क्योंकि वे सोचते हैं कि ये तो रोजमर्रा का काम है कहां तक देखें और कहां तक पढ़े लेकिन ये खबर थोड़ी अलग थी क्योंकि जो मोहतरमा डिप्टी कलेक्टर बनी थी वो पहले जोधपुर में सफाई कर्मी थी जब एक सफाई कर्मी डिप्टी कलेक्टर बनी तो भारी तारीफ हुई उसकी । लोगों ने उनकी मेहनत और लगन को देखते हुए उन्हें एक आदर्श भी बताया कि कैसे एक सफाई कर्मी अपनी मेहनत के बल पर डिप्टी कलेक्टर जैसे बड़े पद पर जा सकती है ,लेकिन बहन जी ने एक ही झटके में अपनी पूरी इज्जत मिट्टी में मिला दी लोग बाग कह रहे हैं कि उन्हें रिश्वत लेने की जरूरत क्या थी जब सरकार उन्हें अच्छा खासा वेतन दे रही थी, अब अपन लोगों को समझा देते हैं कि आखिर उन्होंने रिश्वत ली क्यों। दरअसल वे सिस्टम के हिसाब से चल रही थी जब वे सफाई कर्मी के रूप में भर्ती हुई होंगी तब उन्हें रिश्वत देना पड़ी होगी और यही कारण है कि जब उनके अंडर में सफाई कर्मियों की भर्ती होने वाली थी तो उन्होंने इस सिस्टम को फॉलो करते हुए सफाई कर्मियों से रिश्वत की मांग कर डाली क्योंकि उन्हें अपना एक अनुभव था कि बिना रिश्वत दिए हुए अपॉइंटमेंट हो ही नहीं सकता इसलिए उन्होंने भी इस सिस्टम के तहत पौने दो लाख इकठ्ठे कर लिए, इसमें उनका कोई दोष अपन नहीं मानते क्योंकि जो उसने भोगा था आगे चलकर वही स्कीम उसने भी एडॉप्ट कर ली। वैसे भी आजकल एक दो लाख रुपए की रिश्वत भी कोई रिश्वत होती है क्या? जहां लाखों करोड़ों की रिश्वत का धंधा चल रहा हो वहां बेचारी उस गरीब ने अगर पौने दो लाख रुपए कमा भी लिए तो ऐसा क्या गुनाह कर दिया.। जरूरत तो इस बात की है कि जो सिस्टम पूरे देश में चल रहा है उसे तोड़ना होगा वरना जो भी इन पदों पर आएगा उसे भी इस सिस्टम के तहत अपने आप को ढालना पड़ेगा और जो ऐसा नहीं करेगा उसके लिए लूप लाइन जिंदाबाद.... और जो रिश्वत देकर आएगा वो भला लूप लाइन में क्यों रहेगा उसे भी तो अपना पैसा वसूल करना है, अब नेताओं को ही देख लो एक-एक चुनाव में जो करोड़ों खर्च कर रहे हैं वो क्या समाज सेवा के लिए आ रहे हैं अरे भैया अपना लगाया हुआ पैसा सूद समेत वापस लेना पड़ता है तो जब ऊपर से ही ये स्कीम चल रही हो तो नीचे वाले व्यक्ति बहती गंगा में हाथ धोने से भला क्यों चूकेंगे।

बीबी दोषी होगी

मद्रास हाईकोर्ट ने एक बेहतरीन निर्णय दिया। इस निर्णय के तहत अगर पति रिश्वत लेता है तो उसमें पत्नी भी कहीं ना कहीं दोषी मानी जाएगी और पत्नी को भी सजा भुगतना होगी। मद्रास हाई कोर्ट कहता है कि घर की महिला अगर भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाएगी तो इसका अंत नहीं हो सकेगा। दर असल एक अधिकारी रिश्वतखोरी में पकड़े गए थे मुकदमा चल रहा था इसी बीच भाई साहब ईश्वर को प्यारे हो गए, पुलिस ने उनकी पत्नी को भी सह आरोपी बनाया था और जब पत्नी ने अपने आप को मुक्त करने के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया तो हाई कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया पति अगर रिश्वत ले रहा था तो पत्नी को भी सजा भुगतना पड़ेगी । वैसे हाई कोर्ट का निर्णय बिल्कुल सही है क्योंकि जब पति अपनी कमाई से दस गुना पैसा कमा कर अपनी पत्नी के हाथ में देता है तो पत्नी को पूछना चाहिए कि हुजूरे आला ये नोटों की गड्डियां कहां से ला रहे हो, लेकिन उस समय ऐसा लगता है कि ऐसे ही नोटों की बरसात होती रहे चाहे वो रिश्वत से हो या दो नंबर के कम से। बीवी को चाहिए कि वो अपने पति को रोके और कहे कि जो वेतन मिल रहा है उसी में उसका घर बेहतर तरीके से चल रहा है इसलिए ऐसा काम ना करें लेकिन पैसा ऐसी चीज है जो बड़े-बड़ों को फिसला देता है इसलिए हाई कोर्ट ने साफ-साफ कह दिया कि जब रिश्वतखोरी के पैसे घर आ रहे थे तब आपने इसमें लगाम क्यों नहीं लगाई इसलिए आप भी बराबरी की दोषी हो ।अपनी अब तमाम पत्नियों और बीवियों से एक ही गुजारिश है कि अगर वेतन के अलावा पांच पैसा भी उसका पति घर लाता है तो अच्छी खासी लताड़ लगाओ और कहो कि तुम तो किसी भी दिन निपट जाओगे बाद में सजा तो हमें ही भुगतनी पड़ेगी हो सकता है किसी डर के मारे रिश्वत खोरी शायद बंद हो जाए।

अहंकार की चर्चा

जब से लोकसभा के चुनाव क्या खत्म हुए हैं तमाम जगह एक ही शब्द गली मोहल्लों पान की दुकानों ,बाजारों में गूंज रहा है और वो शब्द है अहंकार कोई रावण का उदाहरण दे रहा है तो कोई कंस का , कि जब इन लोगों का अहंकार नष्ट हो गया तो फिर अब जो भी अहंकार कर रहे हैं उनकी हैसियत ही क्या है? आखिर अहंकार या घमंड इंसान में क्यों आ जाता है दरअसल जब उसे सफलता ही सफलता मिलती है तो फिर वह अपने आप भगवान से भी ऊपर समझने लगता है और ये एक स्वाभाविक सी प्रक्रिया है इंसान के भीतर काम, क्रोध, लोभ, मोह जैसी कमजोरियां होती ही हैं और इनके बीच कहीं अहंकार छुपा होता है बीजेपी की हार रूपी जीत पर उनकी मातृ संस्था आर एस एस भी कह रहा कि व्यक्ति को अहंकारी नहीं होना चाहिए, कोई भी सेवक अहंकारी नहीं होता । एक और बड़े नेता ने कह दिया कि अहंकार ने बीजेपी को 241 पर रोक दिया लगता है इस वक्त सोशल मीडिया पर अहंकार शब्द सबसे ज्यादा ट्रेड कर रहा है वैसे इसमें अपन किसी को दोषी नहीं मानते। चाहे वो खूबसूरती हो ,पैसा हो अधिकार हो, सम्मान हो, लोकप्रियता हो तो फिर अहंकार, गुरूर, घमंड अपने आप इंसान में पैबस्त हो जाते हैं, लेकिन हो सकता है इस हार रूपी जीत के बाद बीजेपी और उसके नेता शायद अहंकार शब्द से मुक्ति पा सकें।

सुपर हिट ऑफ़ द वीक

80 साल की उम्र में भी आप अपनी बीवी को डार्लिंग कहते हैं, इस प्यार का राज क्या है? किसी ने श्रीमान जी से पूछा

असल में आज से बीस साल पहले मैं उनका नाम भूल गया था, पूछने की हिम्मत नहीं हुई, इसलिए डार्लिंग कहता हूं..श्रीमान जी ने उसे समझाया।(लेखक- चैतन्य भट्ट / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8041

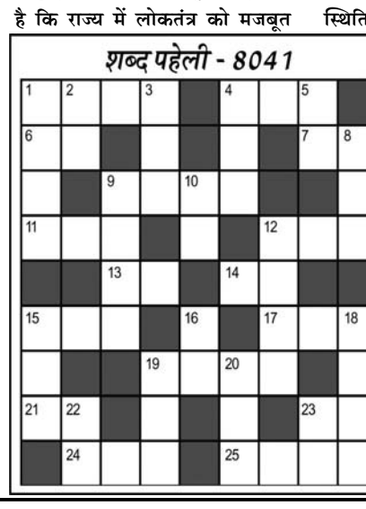

बाएँ से दाएँ

1.रमण योग्य-4
4.साल,वर्ष-3
6.बांया-2
7.राय,वोट-2
9.तकरार,कहासुनी-4
11.अंधकार,अंधेरा-3
12.सरल,आसान-3
13.चील,ईगल-2
14.देवदास की प्रेमिका-2
15.सूली,क्रूस-3
17.कारण-3
19.मन को हरने वाला-4
21.कार्य,काज-2
23.बाण,तीर-2
24.दबाना,कुचलना-3
25.हाथी चलाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1.परंपरा,रीति-रिवाज-4
2.संस्कृत में 'मेरा'-2
3.भरोसा,विश्वास-3
4.दीदी,भगिनी-3
5.समान,एक जैसा-2
8.अंधेरा,अंधकार-3
9.बोरिया बिस्तर-4
10.रिहा-2
12.तालाब,जलाशय-4
15.तमीज,शिष्टता-3
16.मछली,एक राशि-2
18.ज्वरताप-4
19.चिंतन,विचार-3
20.रनिवास (उर्दू-3)
22.नशा,अभिमान-2
23.पार्थिव देह,लाश-2

शब्द पहेली -8040 का हल

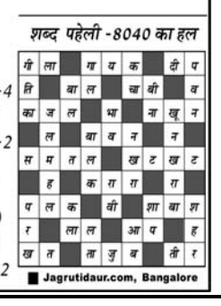

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

टी20 विश्वकप के सुपर मुकाबले 19 जून से , भारत का पहला मुकाबला अफगानिस्तान से होगा

सेंट लूसिया (ईएमएस)। टी20 विश्वकप में अब 19 जून से सुपर आठ मुकाबले शुरु होंगे। प्रत्येक ग्रुप से दो टीमें सुपरआठ मे पहुंची हैं। इस प्रकार चार ग्रुप से आठ टीमें सुपर आठ में पहुंची हैं। इसमें ग्रुप एक से भारत और अमेरिका जबकि ग्रुप-बी से ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड। वहीं ग्रुप-सी: से अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज जबकि ग्रुप-डी से दक्षिण अफ्रीका व बांग्लादेश की टीमें शामिल हैं। सुपर-8 के ग्रुप एक में भारत, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और अफगानिस्तान की टीमें हैं जबकि ग्रुप-2 में अमेरिका इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की टीम है। सुपर आठ मुकाबलों की शुरुआत 19 जून से अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबलों से शुरु होगी।

भारतीय टीम सुपर-8 चरण में अपना पहला मुकाबला 20 जून को बारबाडोस में अफगानिस्तान के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद 22 जून को एंटीगा में बांग्लादेश से उसका मुकाबला होगा। 24 जून को भारतीय टीम सेंट लूसिया में ऑस

क्या भीषण गर्मी के कारण डीजल की मांग हुई कम

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के कुछ हिस्सों में भीषण गर्मी के कारण यात्रा में कमी आने से जून में डीजल की मांग कम हुई है। ईंधन की बिक्री, जो परंपरागत रूप से चुनाव में बढ़ जाती है, इस वर्ष प्रवृत्ति के विपरीत रही है तथा मासिक आधार पर इसमें गिरावट रही है। यह गिरावट अब चुनाव के समाप्त होने के बाद भी जारी है। डीजल की बिक्री एक से 15 जून के दौरान पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 3.9 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह 39.5 लाख टन रह गई है। देश में सबसे ज्यादा खपत वाले ईंधन की मांग में अप्रैल में 2.3 प्रतिशत और मार्च में 2.7 प्रतिशत की गिरावट आई थी। मई में इसमें 1.1 प्रतिशत की गिरावट आई थी। चुनाव प्रचार के अलावा, गर्मी की फसल कटाई के मौसम तथा चिलचिलाती गर्मी के कारण कारों में एयर कंडीशनिंग की मांग बढ़ जाती है, जिससे ईंधन की खपत बढ़नी चाहिए थी। हालांकि इस साल यह रुझान उलट गया है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मार्च के मध्य में दो रुपये प्रति लीटर की कमी की गई, जिससे दरों में संशोधन का करीब दो साल लंबा अंतराल समाप्त हो गया, जिससे बिक्री में भी तेजी आनी चाहिए थी। पेट्रोल की बिक्री एक से 15 मई के दौरान 14.7 लाख टन खपत की तुलना में मासिक आधार पर 3.6 प्रतिशत की गिरावट आई। मई के पहले पखवाड़े में 35.4 लाख टन के मुकाबले डीजल की मांग मासिक आधार पर स्थिर रही। डीजल भारत में सबसे अधिक खपत वाला ईंधन है, जो सभी पेट्रोलियम उत्पादों की खपत का लगभग 40 प्रतिशत है। देश में कुल डीजल बिक्री में परिवहन क्षेत्र की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत है। यह हार्वेस्टर और ट्रैक्टर सहित कृषि क्षेत्रों में उपयोग किया जाने वाला प्रमुख ईंधन है।

साल 2030 तक 2 लाख करोड़ निवेश करेंगी दिग्गज वाहन कंपनियां

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के अग्रणी यात्री वाहन निर्माताओं ने अगले कुछ साल में 2 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के निवेश का खाका तैयार किया है। वाहन दिग्गजों जैसे टाटा मोटर्स, महिंद्रा ऐंड महिंद्रा, मारुति सुजूकी इंडिया, ह्युंडै मोटर इंडिया, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया, निसान मोटर कॉरपोरेशन और रेनो एसए ने उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी, वाहनों के विकास पर बड़े निवेश के अलावा और स्वच्छ व पर्यावरण अनुकूल तकनीक को लेकर प्रतिबद्धता जताई है।

पिछले हफ्ते इलेक्ट्रिक वाहन में भारत की अग्रणी टाटा मोटर्स ने कहा था कि वह वित्त वर्ष 2030 तक अपनी ईवी इकाई में 16 से 18,000 करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च की योजना बना रही है। कंपनी का इरादा मार्च 2026 तक छह और मॉडल उतारने का है। पिछले तीन साल में टाटा मोटर्स के लिए बिक्री दमदार रहीपिछले तीन साल में टाटा मोटर्स के लिए बिक्री दमदार रही है और यह वित्त वर्ष 2021-22 के 3.72 लाख के मुकाबले वित्त वर्ष 2022-23 में 5.41 लाख और वित्त वर्ष 2023-24 में 5.73 लाख वाहन पर पहुंच गई।

भारतीय यात्री वाहन बाजार वित्त वर्ष 30 तक 60 लाख वाहन पर पहुंचने की संभावना है, जो वित्त वर्ष 24 में 43 लाख रहा है। कोरियाई वाहन दिग्गज ह्युंडै मोटर ने अगले 10 साल में 32,000 करोड़ रुपए के निवेश का खाका खींचा है। देसी बाजार में 14.6 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाली कोरियाई कंपनी का स्थान भारत में मारुति के बाद दूसरा है, जिसके पास 41.7 फीसदी हिस्सेदारी है। ?सियाम के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। मारुति ने साल 2023 में ऐलान किया था कि वह पहली ईवी एसयूवी 2023-24 में उतारेगी। हालांकि अब इसे उतारने की तारीख 2024-25 हो गई है। कुल मिलाकर मारुति का इरादा 2029-30 तक भारत में छह ईवी उतारने का है।

सरकार इनकम टैक्स की दरों में कर सकती है कटौती

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार भ?विष्य में आयकरदाताओं को राहत दे सकती है। निर्माता मौजूदा आयकर ढांचे को युक्तिसंगत बनाने के लिए आयकर दरों में कटौती कर सकती है। घटती खपत की समस्या का सामना कर रही भारतीय अर्थव्यवस्था में जान डालने को लेकर आने वाले बजट में सरकार इनकम टैक्स को लेकर बड़ा ऐलान कर सकती है। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि सरकार के नीति निर्माता मौजूदा आयकर ढांचे को युक्तिसंगत बनाने के पक्ष में हैं। इसके लिए कम आय वाले आयकरदाताओं को ज्यादा कर छूट दी जा सकती है। बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की नवगठित सरकार द्वारा जुलाई के तीसरे सप्ताह तक वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पूर्ण बजट पेश करने की संभावना है। दो सरकारी अधिकारियों ने बताया कि इस बात कि संभावना है कि सरकार राजकोषीय समेकन पर ध्यान केंद्रित करने के कारण कम आय वालों के लिए आयकर की दरों में कटौती को फ्रीबिज और अत्यधिक कल्याणकारी व्यय पर प्राथमिकता दे सकती है। अधिकारियों ने कहा कि कर में कटौती प्रयोज्य आय बढ़ाने के लिए अधिक प्रभावी उपाय हो सकता है, जिसके परिणामस्वरूप खपत में वृद्धि होगी तथा आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। एक अधिकारी ने बताया कि मौजूदा कर ढांचे की समीक्षा में यह बात निकलकर सामने आई है कि मौजूद टैक्स ढांचा युक्तिसंगत नहीं है। इसमें टैक्स वृद्धि बहुत ज्यादा है।

ईद उल अजहा पर शेयर बाजार बंद

मुंबई (ईएमएस)। देशभर में सोमवार 17 जून को ईद उल अजहा का त्योहार मनाया जा रहा है। इसे लेकर शेयर बाजार में सोमवार को कारोबार नहीं होगा। बीएसई कैलेंडर के मुताबिक साल भर की कारोबारी छुट्टियों में ईद उल अजहा (बकरीद) के दिन छुट्टी का प्रावधान है। जिसके मुता?बिक शेयर बाजार के सभी सेगमेंट जैसे इक्विटी सेगमेंट, डेरिवेटिव सेगमेंट, एसएलबी सेगमेंट और करेंसी मार्केट पूरी तरह से बंद रहेंगे। कैलेंडर के मुताबिक मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज के कमोडिटी डेरिवेटिव सेगमेंट और इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीपिएंट पहले सेशन में बंद रहेंगे जबकि दूसरे सेशन में खुले रहेंगे। बता दें कि कमोडिटी मार्केट और ईजीआर के लिए पहला सेशन सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक होता है, वहीं दूसरा सेशन शाम 5:00 बजे से रात 11:55 बजे तक होता है। ईद के अलावा साल 2024 के बाकी बचे दिनों में और जितने दिन शेयर बाजार बंद रहेंगे, वे 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस), 2 अक्टूबर (महात्मा गांधी जयंती), 1 नवंबर (दिवाली), 15 नवंबर (गुरु नानक जयंती) और 25 दिसंबर (क्रिसमस) के दिन हैं। इनके अलावा सिर्फ शनिवार और रविवार की आधिकारिक छुट्टियां ही शेयर बाजार में रहेंगी। बाकी बचे दिन निवेशक कारोबार कर सकेंगे।

देश के कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल सस्ता

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकारी तेल कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। आपको बता दे कि देश के महानगरों में राजधानी दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में सोमवार को पेट्रोल और डीजल के कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जबकि देश के कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल सस्ता हो गया है तो वहीं कुछ राज्यों में इसकी कीमतें बढ़ गई हैं। राज्य स्तर पर झारखंड, मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पश्चिम बंगाल में सोमवार को पेट्रोल-डीजल के भाव कम हो गए हैं। जबकि हिमाचल, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब और राजस्थान में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ गई हैं। वहीं दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर और मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर है।

यूपी में बीजेपी की करारी हार के.....मिल गए कारण चार ,हारे सांसदों से मिला फीडबैक

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव में भाजपा को उत्तर प्रदेश में करारा झटका लगा है। 2019 में जहां 62 सीटें मिली थीं, वहीं 2024 में 33 सीटों पर संतोष करना पड़ा है। भाजपा को उत्तर प्रदेश जैसे राज्य से 29 सीटें कम मिलने की पूरे देश में चर्चा है। अब पार्टी भी इस पर मंथन कर कुछ बड़ा एक्शन ले सकती है। अब तक पार्टी नेतृत्व को प्रत्याशियों और स्थानीय नेताओं से जो फीडबैक मिला है, उसके मुताबिक सांसदों को कर्मचारियों से सहयोग न मिलना। पार्टी कार्यकर्ताओं का ही खिलाफ हो जाना और संविधान बदलने का गलत नैरेटिव जनता के बीच चल जाना नुकसान पहुंचा गया।

इतना ही नहीं भाजपा का राज्य नेतृत्व विस्तृत रिपोर्ट भी तैयार कर रहा है। रिपोर्ट को इस सप्ताह के अंत तक हाईकमान को सौंपा जाएगा। बात दे कि भाजपा ने यूपी में हार के कारणों की विस्तृत पड़ताल के लिए एक टास्क फोर्स का भी गठन किया है। टास्क फोर्स को सूबे की 78 सीटों की समीक्षा का काम सौंपा गया है। सिर्फ पीएम नरेंद्र मोदी की सीट वाराणसी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सीट लखनऊ की यह टास्क फोर्स समीक्षा नहीं करेगी। इसके अलावा सूबे की बाकी सभी 78 सीटों की समीक्षा की जाएगी।

भाजपा को सबसे ज्यादा हैरानी अमेठी, फैजाबाद (अयोध्या वाली सीट), बलिया और सुल्तानपुर जैसी सीटों पर हार से है। इन सीटों को भाजपा के लिए मजबूत गढ़ माना जाता था। अमेठी में स्मृति इरानी की कांग्रेस के एक आम कार्यकर्ता से हार ने पूरे नैरेटिव को चोट पहुंचा दी है। इसके अलावा अयोध्या की हार भी कान खड़े करने वाली है। सुल्तनापुर में मेनका गांधी ही चुनाव हार गईं, जो लगातार जीतती रही हैं। भाजपा को उस सीट पर हारना पड़ गया, जहां ऐतिहासिक राम मंदिर बना है। 500 सालों के इतिहास का चक्र जिस अयोध्या में घूमा, वहां ऐसी हार ने भाजपा को हैरान कर दिया है।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि भाजपा को आरएसएस और उसके आनुषांगिक संगठनों से भी फीडबैक मिलेगा। संघ के लोगों से भी कहा गया है कि वे समीक्षा करके बताएं कि हार के क्या कारण रहे। अब तक कई उम्मीदवारों ने भाजपा की स्टेट लीडरशिप को रिपोर्ट सौंप दी है, जिसमें बताया है कि हमारी हार के क्या कारण रहे हैं। इनमें एक बड़ा कारण यह है कि सरकारी कर्मचारियों ने सांसदों का सहयोग नहीं किया है। वहीं पार्टी के ही कार्यकर्ताओं का बड़ा वर्ग खिलाफ चला गया। वहीं जाति के आधार पर ठाकुरों की रैलियों ने भी पश्चिम से पूर्व तक भाजपा को नुकसान पहुंचाया।

उत्तराखंड में फिजिकल हिल एंडोर्समेंट टेस्ट वाले ड्राइवर ही चला सकेंगे वाहन

देहरादून (ईएमएस)। उत्तराखंड में पिछले एक सप्ताह में 4 सड़क दुर्घटनाओं में 23 लोगों की मौत हो चुकी है, कई यात्री घायल हैं। जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। लगातार हो रही दुर्घटनाओं के बाद अब उत्तराखंड सरकार ने इस मामले में कडा रुख अख्तियार किया है।

उत्तराखंड के संयुक्त परिवहन आयुक्त सनत सिंह ने चार धाम यात्रा पर जाने वाले सभी वाहनों के ड्राइवर तथा उत्तराखंड के पर्यटन स्थल के पहाड़ी इलाकों में ड्राइवर के लाइसेंस की जांच को अनिवार्य कर दिया है। पहाड़ी क्षेत्र में ड्राइविंग करने के लिए हिल एंडोर्समेंट ड्राइविंग टेस्ट पास करना अनिवार्य होता है। जिन ड्राइवर के पास यह टेस्ट लाइसेंस नहीं होगा। उन्हें उत्तराखंड सरकार द्वारा उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में वाहन चलाने की अनुमति नहीं होगी। उत्तराखंड सरकार द्वारा हरिद्वार और ऋषिकेश में दो ऐसे ट्रैक बनाए हैं।

1600 किलोग्राम की गदा अयोध्या में

अयोध्या (ईएमएस)। अयोध्या में बजरंग बली की 1600 किलो की गदा ओर भगवान राम का 1100 किलो का धनुष बाण अयोध्या लाया जा रहा है। जल्द ही इसे राम मंदिर में स्थापित किया जाएगा। राजस्थान सुमेरपुर के श्रीजी सनातन सेवा संस्थान द्वारा गदा और धनुष बाण को तैयार कराया गया है। धनुष बाण पंच धातु से तैयार किया गया है। हनुमान जी की गदा गोमेद की प्रतिकृति अयोध्या में स्थापित होने जा रही है। इसका निर्माण करने में 20 दिन का समय लगा 75 कारीगरों ने काम किया।

यूएई से सोना-चांदी का आयात बढ़ा, एफटीए में शुल्क संशोधन की जरूरत: जीटीआरआई

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश का अपने मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) साझेदार संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से सोने और चांदी का आयात 2023-24 में बढ़कर 10.7 अरब डॉलर हो गया है। इस उछाल को कम करने के लिए समझौते के तहत रियायती सीमा शुल्क दरों में संभावित रूप से संशोधन करने की आवश्यकता है। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार सोने और चांदी के आयात में यह तीव्र वृद्धि मुख्य रूप से भारत-संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत भारत द्वारा यूएई को दी गई आयात शुल्क रियायतों से संभव हो पाई है। जीटीआरआई की रिपोर्ट के अनुसार भारत असीमित मात्रा में चांदी के आयात पर सात प्रतिशत शुल्क या सीमा शुल्क रियायतें और 160 मीट्रिक टन सोने पर एक प्रतिशत रियायत देता है। सीईपीए पर फरवरी 2022 में हस्ताक्षर किए गए और मई 2022 में इसे लागू किया गया।

इसके अतिरिक्त भारत गिफ्ट सिटी में इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज (आईआईबीएक्स) के जरिए निजी कंपनियों को यूएई से आयात करने की अनुमति देकर सोने और चांदी के आयात की सुविधा देता है। पहले केवल अधिकृत एजेंसियां ही ऐसे आयातों को संभाल सकती थीं। रिपोर्ट में कहा गया ?कि भारत का यूएई से कुल आयात वित्त वर्ष 2022-23 में 53.2 अरब अमरीकी डॉलर से 9.8 प्रतिशत घटकर वित्त वर्ष 2023-24 में 48 अरब अमरीकी डॉलर हो गया, जबकि सोने तथा चांदी का आयात 210 प्रतिशत बढ़कर 3.5 अरब अमरीकी डॉलर से 10.7 अरब अमरीकी डॉलर हो गया। शेष सभी उत्पादों का आयात वित्त वर्ष 2022-23 में 49.7 अरब अमरीकी डॉलर से 25 प्रतिशत घटकर वित्त वर्ष 2023-24 में 37.3 अरब अमरीकी डॉलर हो गया।

रेफ्रिजरेटेड ट्रक में दम घुटने से आठ लोगों की मौत

झेंग्झौ (ईएमएस)। चीन के हेनान प्रांत में एक रेफ्रिजरेटेड ट्रक में दम घुटने से आठ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि आठ लोग वाहन के इंसुलेटेड डिब्बे में थे, जो नियमों के खिलाफ था। पुलिस ने कहा कि जब वाहन येक्सियन काउंटी के होंगझ आंगयांग टाउनशिप में एक गैस स्टेशन पर पहुंचा तब वे बेहोश पाए गए। जिसके बाद उन्हें अस्पताल भेजा गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वाहन चालक और संबंधित जिम्मेदार कर्मियों को हिरासत में लिया गयी है।

लू व गर्मी से किसान समेत 12 लोगों की मौत

महोबा (ईएमएस)। यूपी इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। एक ओर तेज धूप लोगों को झुलसा रही है, ऊपर से लू जान ली रही है। सूबे के बुन्देलखण्ड इलाके में गर्मी का प्रकोप कुछ अधिक ही है। यहां के महोबा जिले में भीषण गर्मी जानलेवा बन गयी है। लू और गर्मी की चपेट में आकर किसान समेत 12 लोगों की मौत हो गई। वहीं, गर्मी से हालत बिगड़ने पर छह लोगों को जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया।

प्राप्त विवरण के मुताबिक जिल के कस्बा श्रीनगर निवासी कल्लू कुशवाहा (60) को रविवार को घर पर लू लग गई। जिला अस्पताल लाते समय उसकी मौत हो गई। रतौलीपुरवा निवासी हरी अनुरागी (35) को पहाड़ पर काम के दौरान लू लग गई। परिजन जिला अस्पताल लाए लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। रैपुराकलां निवासी खज्जी परिहार (72) की खेत में काम करते समय लू लगने से मौत हो गई। वहीं, थाना खरेला के कुआं गांव निवासी जानकी कुशवाहा (40) मकरबई पहाड़ में छेद करने का काम करता था। लू लगने पर परिजन सीएचसी कबरई ले गए। हालत नाजुक होने पर परिजन अस्पताल लाने लगे लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इसी तरह छिकहरा निवासी कल्लू पाल (49) की खेत में बकरी चराते समय लू लगने से मौत हो गई। रैपुराकलां निवासी विश्वनाथ (65) व मुन्नीलाल अहिरवार (65) खेत पर जुताई कराने गए थे। तभी लू लगने से दोनों की मौत हो गई। कस्बा चरखारी के मोहल्ला कजियाना निवासी सुनील कुमार (48) को लू लग गई। परिजन उसे अस्पताल लाए लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई।

वहीं, कस्बा कुलपहाड़ के मोहल्ला किशोरगंज निवासी विनोद श्रीवास (47) नौगांव मार्ग पर अचेत अवस्था में पड़ा मिला। सूचना पर पुलिस ने युवक को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। उसकी लू लगने से मौत की आशंका जताई जा रही है। बगरौन निवासी रघु प्रजापति (55) खेत पर बकरी चराने गया था। तभी लू लगने से उसकी मौत हो गई। रैपुराकलां निवासी किसान बाबूराम (78) को खेत पर काम करते समय लू लग गई। परिजन उन्हें अस्पताल लाए। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, ब्यारजौ निवासी ओमप्रकाश (55) की खेत में बकरी चराते समय लू लगने से मौत हो गई।

म्यूचुअल फंड से अप्रैल-मई में जुड़े 81 लाख नए निवेशक

नई दिल्ली (ईएमएस)। म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री ने चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों अप्रैल-मई में 81 लाख से ज्यादा ??निवेशकों के खाते जोड़े हैं। स्टॉक ट्रेडिंग मंच के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा कि इसके अलावा फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) के बारे में बदलती धारणाएं और आय के स्तर में वृद्धि और ?वित्तीय बाजार तक पहुंच ने भी नए निवेशकों की संख्या वृद्धि में योगदान दिया है। फिक्स्ड डिपॉजिट योजनाएं अब म्यूचुअल फंड की तुलना में प्रतिस्पर्धी रिटर्न नहीं देती हैं। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही म्यूचुअल फंड के लिए संभावनाएं मजबूत बनी हुई हैं, जिसे शेयर बाजार में चल रही तेजी, ठोस रिस्क मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज, निरंतर इन्वेस्टर एजुकेशन और लगातार मार्केटिंग प्रयासों से समर्थन मिल रहा है। ?विशेषज्ञों ने कहा कि इसके अलावा इंडस्ट्री में अच्छी वृद्धि जारी रहेगी क्योंकि बचतकर्ता अपने लांग-टर्म गोल्स के लिए वैकल्पिक रास्ते तलाश रहे हैं। पीजीआईएम इंडिया म्यूचुअल फंड के एक अ?धिकारी ने कहा ?कि जैसे-जैसे भारत की प्रति व्यक्ति आय बढ़ेगी, निवेशक ऐसे एसेट क्लासेज में पैसा बचाना चाहेंगे, जिनमें मंहगाई को मात देने और वेल्थ क्रिएशन की क्षमता है। जैसे-जैसे म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ेगी, यह इंडस्ट्री स्तर पर हायर फोलियो बेस में तब्दील हो जाएगा।

धारावी की भूमि महाराष्ट्र सरकार के विभागों को हस्तांरित होगी: सूत्र

मुंबई (ईएमएस)। करोड़ों रुपये की धारावी झुग्गी-बस्ती पुनर्विकास परियोजना में भूमि का हस्तांतरण महाराष्ट्र सरकार के विभागों को किया जाना है और अहमदाबाद का समूह सिर्फ एक परियोजना डेवलपर के रूप में मकान बनाएगा जो उन्हीं विभागों को सौंपे जाएंगे। इस प?रियोजना में अदाणी समूह को भूमि का हस्तांतरण शामिल नहीं है। सांसद वर्षा गायकवाड़ ने इस मामले में भूमि हड़पने का आरोप लगाया है। इन आरोपों पर परियोजना से जुड़े सूत्रों ने कहा कि जमीन के टुकड़े सिर्फ राज्य सरकार के आवास विभाग के धारावी पुनर्विकास परियोजना या स्लम पुनर्वास प्राधिकरण (डीआरपी/एसआरए) को हस्तांतरित किए जाने हैं। अदाणी समूह ने खुली अंतरराष्ट्रीय बोली में धारावी स्लम पुनर्विकास परियोजना हासिल की थी। समूह अपनी संयुक्त उद्यम कंपनी धारावी रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट प्राइवेट ?लिमिटेड (डीआरपीपीएल) के माध्यम से आवास और वाणिज्यिक स्थान बनाएगा और उन्हें फिर से डीआरपी या एसआरए को सौंप देगा। निविदा के अनुसार भूमि सरकार द्वारा तय दरों पर डीआरपी, एसआरए को आवंटित की जाएगी। इस मामले में जहां डीआरपीपीएल को विकास अधिकार मिला हैं, राज्य समर्थन समझौता, निविदा दस्तावेज का हिस्सा है। यह स्पष्ट रूप से कहता है कि राज्य सरकार अपने स्वयं के विभाग को भूमि देकर परियोजना का समर्थन करेगी। रेलवे भूमि के आवंटन के मुद्दे पर, जहां धारावी के निवासियों के पहले सेट की पुनर्वास इकाइयां बनाई जानी हैं। इसे निविदा से पहले ही डीआरपी को आवंटित किया गया था, जिसके लिए डीआरपीपीएल ने प्रचलित दरों पर 170 प्रतिशत के भारी प्रीमियम का भुगतान किया है।

इन आरोपों को कि धारावीवासियों को धारावी से बाहर निकाल दिया जाएगा और बेघर कर दिया जाएगा, को पूरी तरह से काल्पनिक करार देते हुए सूत्रों ने कहा कि सरकार के 2022 के आदेश में यह शर्त रखी गई है कि धारावी के प्रत्येक निवासी को एक घर दिया जाएगा। एक जनवरी, 2000 को या उससे पहले मौजूद मकानों के धारक यथास्थान पुनर्वास के पात्र होंगे। एक जनवरी, 2000 से एक जनवरी, 2011 के बीच मौजूद लोगों को धारावी के बाहर मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में कहीं भी पीएमएवाई के तहत सिर्फ 2.5 लाख रुपये में या किराये के माध्यम से घर आवंटित किए जाएंगे।

भारत ने नहीं किए यूक्रेन में शांति दस्तावेज पर दस्तखत, रूस और चीन ने बनाई दूरी

बेर्न(ईएमएस)। भारत समेत कुछ देशों ने यूक्रेन में शांति के लिए स्विट्जरलैंड द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर नहीं किए। अपने संक्षिप्त संबोधन में भारत के वरिष्ठ राजनयिक ने कहा कि शांति शिखर सम्मेलन में भारत भागीदारी और यूक्रेन के शांति फार्मूले पर आधारित वरिष्ठ अधिकारियों की कई पूर्व बैठकें हमारे स्पष्ट और सुसंगत दृष्टिकोण के अनुरूप हैं कि स्थायी शांति केवल बातचीत और कूटनीति के माध्यम से ही प्राप्त की जा सकती है। भारत ने संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए रूस और यूक्रेन के बीच ईमानदारी और व्यावहारिक भागीदारी का आह्वान किया। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) पवन कपूर ने स्विस रिसॉर्ट बर्गेनस्टॉक में आयोजित शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें कई राष्ट्राध्यक्षों सहित 100 से अधिक देशों और संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत का मानना है कि इस तरह के समाधान के लिए संघर्ष में शामिल दोनों पक्षों के बीच ईमानदारी और व्यावहारिक भागीदारी की आवश्यकता है। मंत्रालय ने कहा, इस संबंध में, भारत सभी हितधारकों के साथ-साथ दोनों पक्षों के साथ बातचीत जारी रखेगा, ताकि शीघ्र और स्थायी शांति लाने के लिए सभी गंभीर प्रयासों में योगदान दिया जा सके। स्विट्जरलैंड के विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि 83 देशों और संगठनों ने यूक्रेन में शांति पर उच्च स्तरीय सम्मेलन के अंत में संयुक्त बयान को मंजूरी दी। शिखर सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भविष्य की शांति प्रक्रिया को प्रेरित करना था। रूस को शिखर सम्मेलन में आमंत्रित नहीं किया गया था, जबकि चीन ने इसमें शामिल नहीं होने का फैसला किया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने शिखर सम्मेलन के उद्घाटन और समापन पूर्ण सत्र में भाग लिया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, भारत ने इस शिखर सम्मेलन से जारी होने वाले किसी भी विज्ञप्ति या दस्तावेज से खुद को संबद्ध नहीं किया है। मंत्रालय ने बयान में कहा, सम्मेलन में भारत की भागीदारी, साथ ही यूक्रेन के शांति फार्मूले पर आधारित पूर्ववर्ती एनएसए या राजनीतिक निदेशक स्तर की बैठकों में भागीदारी, संवाद और कूटनीति के माध्यम से संघर्ष के स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान को सुगम बनाने के हमारे सतत दृष्टिकोण के अनुरूप है।

गाजा में युद्ध रोकने का अमेरिका ने दिया सुझाव

वॉशिंगटन(ईएमएस)। इजरायल और गाजा के बीच चल रहे युद्ध को रोकने के लिए जारी प्रयासों के बीच अमेरिका ने शांति का सुझाव दिया है।

अमेरिका राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इजरायल और गाजा के युद्ध को देखते हुए अपने मुस्लमानों को देने वाले संदेश का इस्तेमाल किया।जो बाइडेन ने मुसलमानों को ईद अल-अधा संदेश दिया। उन्होंने कहा, यह हमास और इजरायल के बीच युद्ध की भयावहता से पीड़ित नागरिकों की मदद करने का युद्धविराम समझौते सबसे अच्छा तरीका था। बाइडेन ने आगे अपने इजरायल और हमास के युद्ध को लेकर कहा, बहुत से निर्दोष लोग मारे गए हैं, जिनमें हजारों बच्चे भी शामिल हैं। परिवार अपने घरों से भाग गए हैं और उन्होंने अपने समुदायों को नष्ट होते देखा है।

जानकारी के लिए बता दें कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने इजरायल और हमास पर पिछले हफ्ते युद्धविराम समझौते को लिए औपचारिक रूप से स्वीकार करने के लिए दबाव डाला है, जिससे लड़ाई को शुरुआती छह सप्ताह के लिए रोका जा सकेगा। ये उन्होंने सुरक्षा परिषद के सदस्यों की तरफ से युद्धविराम को लेकर हरी झंडी दिखाने के बाद किया है। वहीं राष्ट्रपति जो बाइडेन ने म्यांमार में रोहिंग्या और चीन में उइगर सहित उत्पीड़न का सामना कर रहे अन्य मुस्लिम समुदायों के अधिकारों की वकालत करने की अपनी कोशिश पर भी बात की। उन्होंने कहा, हम सूडान में भीषण संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान लाने के लिए भी काम कर रहे हैं। जो अप्रैल 2023 से देश की सेना और दुश्मन के बीच लड़ाई की चपेट में है।

नासा कर रहा सुपर स्टार समूह पर अध्ययन

वाशिंगटन (ईएमएस)। नासा के चंद्र एक्स-रे ऑब्जरवेटरी और नासा के दूसरे टेलीस्कोप से मिले नए डेटा के की मदद से पृथ्वी के सबसे बड़े और सबसे करीब सुपर स्टार समूह पर वैज्ञानिक अध्ययन कर रहे हैं। ग्रुप को वेस्टरलंड 1 नाम दिया गया है। इन अध्ययनों की मदद से खगोलविदों को तारों के निर्माण की प्रकिया को समझने में मदद मिलेगी। यह एक्सटेंडेड वेस्टरलंड 1 और 2 ओपन क्लस्टर सर्वे (इकोस्स) नाम की परियोजना से पहला सार्वजनिक रूप से जारी किया डाटा है। इकोस्स का नेतृत्व में इटली के पलेर्मो में स्थित एक संस्थान कर रही है। चंद्र ऑब्जरवेटरी ने इकोस्स के हिस्से के रूप में वेस्टरलंड 1 का लगभग 12 दिनों तक अध्ययन करने के बाद यह डाटा साझा किया है।

नई तस्वीर में चंद्र का डाटा और नासा के हबल स्पेस टेलीस्कोप से पिछला डाटा शामिल है। चंद्र के एक्स-रे से क्लस्टर में नए तारे और गैसों का पता चलता है। युवा तारे ज़्यादातर सफ़ेद और गुलाबी रंग के दिखाई देते हैं, जबकि गर्म गैस गुलाबी, हरे और नीले रंग में दिखाई देती है। हबल के डेटा में कई तारे पीले और नीले रंग के डॉट्स के रूप में दिखाई देते हैं। एक दिलचस्प खोज यह है कि वेस्टरलंड 1 के केंद्र में चार प्रकाश वर्ष के दायरे में 1,075 तारे हैं। खगोलविदों का मानना है कि यह क्लस्टर के गठन और विकास को समझने और इसके मास का बेहतर अनुमान लगाने के लिए जरूरी है।

क्या होते हैं सुपर स्टार क्लस्टर?

वर्तमान में, हमारी गैलेक्सी में हर साल केवल कुछ ही तारे बनते हैं। हालाँकि, अतीत की बात करे तब मिल्की-वे लगभग 10 बिलियन साल अपने चरम पर था जब यहां हर साल दर्जनों या सैकड़ों तारे बनते थे। इसमें से ज़्यादातर घटनाएं विशाल क्लस्टर्स में हुईं, जिन्हें सुपर स्टार क्लस्टर के नाम से जाना जाता है। इन्हीं में से एक को वेस्टरलंड 1 नाम दिया गया है। ये क्लस्टर औरों की तुलना में नए हैं और इनका वजन सूरज के वजन से 10,000 गुना ज़्यादा है। वेस्टरलंड 1, 3 मिलियन से 5 मिलियन साल पुराना है। वेस्टरलंड 1 मिल्की वे में बचा हुआ सबसे बड़ा सुपर स्टार क्लस्टर है। यह पृथ्वी से सबसे करीबी, लगभग 13,000 प्रकाश वर्ष दूर है।

ट्रंप की वापसी के डर से विकसित देश डब्ल्यूटीओ समझौते पर कर रहे जल्दबाजी

जिनेवा(ईएमएस)। विकसित देशों को डर सता रहा है कि डॉनल्ड ट्रंप इस साल नवंबर में अमेरिका के राष्ट्रपति बन गए तो डब्ल्यूटीओ की गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं। भारत इन देशों के से किसी प्रयास का हिस्सा नहीं बनना चाहता है। जिनेवा में भारत के एक व्यापार राजनयिक ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया, 'अमेरिका, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, नॉर्वे, स्विटजरलैंड, सिंगापुर, जापान और दक्षिण कोरिया ई-कॉमर्स और मछुआरों को सब्सिडी दिए जाने से जुड़े मसलों पर सहमति बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

भारत का कहना था कि मछुआरों को सब्सिडी पर कोई व्यापक समझौता समान परंतु विभेदित उत्तरदायित्व के सिद्धातों (सीबीडीआर-आरसी) पर आधारित होना चाहिए। भारत का कहना है कि विकासशील देशों में मछुआरों को विशेष आर्थिक क्षेत्रों (उनके अधिकार वाले जल से 200 नॉटिकल मील तक) में मछली पकड़ने के लिए सब्सिडी की व्यवस्था जारी रहनी चाहिए। भारत का यह भी कहना रहा है कि इस सीमा से बाहर मछली पकड़ने के लिए विकसित देशों को अपने मछुआरों को अगले 25 वर्षों तक किसी प्रकार की सब्सिडी नहीं देनी चाहिए।

मगर फिलहाल हालात ऐसे नहीं दिख रहे हैं क्योंकि अब तक कोई दस्तावेज भी नहीं सौंपा गया है। इन देशों को लगता है कि अगर ट्र

वडोदरा शहर भाजपा प्रमुख का विवादित बयान -कहा, जिसने वोट दिया करें उसका काम

वडोदरा (ईएमएस) शहर भाजपा प्रमुख के एक बयान से राज्य की राजनीति गरमा गई है वडोदरा शहर भाजपा के प्रमुख विजय शाह ने कहा कि जिन क्षेत्रों में लोग भाजपा को वोट नहीं करते उनके क्षेत्र के विकास के लिए ग्रांट के पैसे खर्च ना किए जाएं विजय शाह के इस बयान के बाद शहर के भाजपा के एक विधायक ने ही नाराजगी जाहिर करते हुए पार्टी के शहर प्रमुख की मानसिकता पर सवाल उठा दिए हैं।

राजनीतिक दृष्टि से वडोदरा शहर की सीट भाजपा के सुरक्षित मानी जाती है और यहां के मतदाताओं को लेकर ही पार्टी के शहर प्रमुख ने विवादित बयान दिया है दरअसल वडोदरा के समा क्षेत्र में भाजपा के नवनिर्वाचित सांसद डॉ. हेमांग जोशी का अभिवादन समारोह आयोजित किया गया था समारोह में भाजपा के सभी निर्वाचित प्रतिनिधि मौजूद थे उस वक्त मंच से वडोदरा शहर भाजपा प्रमुख विजय शाह ने कहा कि वर्षों से जो लोग भाजपा को वोट नहीं देते उनके लिए ग्रांट की रकम खर्च करने का कोई अर्थ नहीं हैं जहां से वोट नहीं मिलता वहां ग्रांट या कोटे की रकम खर्च कर विकास कार्य नहीं करने चाहिए जिन क्षेत्रों के लोग भाजपा को वोट देते हैं उन लोगों के साथ खड़े रहकर उनके इलाकों में विकास कार्य करने चाहिए।

विजय शाह के इस बयान को लेकर राज्य की राजनीति गरमा गई है भाजपा के शहर प्रमुख विजय शाह के बयान को लेकर भाजपा के वरिष्ठ विधायक योगेश पटेल ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है योगेश पटेल ने कहा कि विजय शाह का आदेश मतलब मान लेना नहीं है विजय शाह शहर भाजपा प्रमुख हैं और उनका व्यक्तिगत विचार हो सकता है लेकिन भाजपा इससे सहमत नहीं है उन्होंने कहा कि मतदाताओं के साथ द्वेषभाव के साथ राजनीति नहीं की जा सकती हैं।

जब विधायक निर्वाचित होते हैं तब शपथ लेते हैं कि किसी प्रकार का किसी के साथ भेदभाव या पक्षपात नहीं रखेंगे योगेश पटेल ने कहा कि विकास कार्यों पर सभी जातियों का एक समान अधिकार होता है जनहित में काम करेंगे तभी वोट बढ़ेंगे दूसरी ओर गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता निशांत रावल ने कहा कि वडोदरा शहर भाजपा प्रमुख विजय शाह का बयान उनकी मानसिकता दर्शाता है ओछी मानसिकता वाली भाजपा ने वडोदरा की भोलीभाली जनता के साथ अन्याय किया है ऐसी मानसिकता के कारण ही आज वडोदरा के लोग विकास से वंचित हैं उन्होंने कहा कि विजय शाह ने ऐसा बयान देकर एक प्रकार से मतदाताओं को धमकाने का प्रयास किया है

स्टूडेंट वीजा के नाम पर ठगी करने वाले पति-पत्नी अहमदाबाद से पकड़े गए

वडोदरा (ईएमएस) वडोदरा के हरणी इलाके में एक छात्र से स्टूडेंट वीजा के नाम पर 22 लाख रुपये से ज्यादा की ठगी करने वाले पति-पत्नी को पुलिस ने अहमदाबाद से गिरफ्तार किया है

वडोदरा शहर के हरणी इलाके में रहने वाले युवक को कनाडा में बसाने के लिए दंपति ने कुल 28.92 लाख रुपये दिए. लेकिन फिर उन्हें जोर लगाना पड़ा और एजेंट कुछ वादे दिखा रहा था। टुकड़े-टुकड़े करके कुल साढ़े छह लाख रुपए वापस कर दिए गए, जबकि अभियोजन पक्ष उगाही करता रहा। इसलिए 22.42 लाख की रकम वापस नहीं की गई हरणी पुलिस स्टेशन में दर्ज इस अपराध की जांच के दौरान इस जोड़े का पता चला. दो दिन पहले पुलिस निगरानी के दौरान यह जोड़ा अहमदाबाद स्थित घर पर आया और महिला ने पुलिस के साथ मिलकर घर पर नजर रखी और दोनों को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार किए गए लोगों में हितेश नागिनभाई पटेल और शिवांगी हितेश पटेल (लक्ष्मीनगर, बरेजा, अहमदाबाद) शामिल हैं।

सूरत मनपा द्वारा जर्जर संपत्ति के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई, नल और जल निकासी कनेक्शन काटा

सूरत (ईएमएस) सूरत नगर आयुक्त ने हाल ही में शहर में जीर्ण-शीर्ण संपत्तियों की समीक्षा बैठक की, जिसमें पता चला कि शहर में अभी भी 242 संपत्तियों को ध्वस्त करने की जरूरत है। यदि जीर्ण-शीर्ण संपत्ति मालिकों द्वारा नहीं हटाई जाती है, तो नगर पालिका ने ऐसी संपत्तियों के नल कनेक्शन और जल निकासी कनेक्शन काटने का आदेश दिया है। नगर पालिका के आदेश के बाद सभी जोन ने जर्जर संपत्ति पर सार्वजनिक नोटिस लगाकर बिल्डिंग हटाने और नल व ड्रेनेज कनेक्शन काटने का काम शुरू कर दिया है।

सूरत नगर पालिका जर्जर इमारतों के नल और जल निकासी कनेक्शन काटने के लिए नोटिस दे रही है और संपत्ति मालिकों को दौड़ा रही है। हालाँकि, यदि मरम्मत वर्तमान में नहीं की जा सकती तो तत्काल निकासी की चेतावनी दी जा रही है। राजकोट गेमज़ोन आपदा के बाद, सूरत नगर पालिका ने शहर की संपत्तियों में अग्नि सुरक्षा और बीयू अनुमति का सत्यापन शुरू कर दिया है। फिलहाल मानसून सीजन शुरू होने वाला है, ऐसे में शहर में जर्जर संपत्तियों पर हादसे की आशंका बनी हुई है। जर्जर भवनों को लेकर कमिश्नर ने समीक्षा बैठक की थी। बैठक में सामने आया कि सबसे ज्यादा जर्जर संपत्तियां नगर पालिका के उधना बी जोन कनकपुर कंसड़ जोन में 171 हैं। जबकि वराछा ए और वराछा बी जोन में एक भी जर्जर संपत्ति नहीं होने की बात सामने आई है।

मनपा आयुक्त ने जीर्ण-शीर्ण संपत्तियों में रहने वाले मालिकों या कब्जाधारियों को निर्देश दिया कि यदि वे संपत्ति की मरम्मत नहीं करते हैं तो तुरंत नल और जल निकासी कनेक्शन काट दें। इस चेतावनी के बाद सभी जोनों द्वारा जर्जर संपत्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। नगर पालिका के जोन द्वारा तैयार किए गए एक बैनर में कहा गया है कि संपत्ति जीर्ण-शीर्ण होने के कारण रहने लायक नहीं है।

आगे कहा गया है कि यह संपत्ति निवासियों और राहगीरों के लिए खतरनाक है, इस नोटिस के बाद भी अगर संपत्ति का उपयोग बंद नहीं किया गया तो नगर पालिका संपत्ति को ध्वस्त करने की कार्रवाई करेगी साथ ही संपत्ति के इस्तेमाल पर तत्काल रोक लगाने का भी निर्देश दिया गया है नगर पालिका की इस सलाह के बाद जीर्ण-शीर्ण संपत्तियों में रहने वाले संपत्ति मालिकों ने दौड़कर तुरंत उपयोग बंद कर दिया और संरचनात्मक स्थिरता के काम की कवायद शुरू कर दी।

पावागढ मंदिर में 500 वर्ष प्राचीन जैन मूर्तियां खंडित होने पर जैन समुदाय में आक्रोश

पंचमहाल (ईएमएस) पावागढ़ के जैन मंदिर में मूर्ति तोड़े जाने को लेकर जैन समाज में आक्रोश है रविवार आधी रात को जैन समुदाय के नेता पावागढ़ थाने पहुंचे पावागढ़, वडोदरा, सूरत और मुंबई से जैन समाज के नेता पावागढ़ में जुटे हैं मंदिर के पुराने रास्ते पर प्रसिद्ध पौराणिक मूर्तियों को हटाने को लेकर विवाद चल रहा है। जैन समुदाय ने मूर्तियों की पुनर्स्थापना की मांग की है। मूर्ति तोड़ने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी मांग की गई है

पावागढ़ में जैन प्रतिमा तोड़े जाने के विरोध में बड़ी संख्या में जैन साधु औरसमुदाय के बुजुर्ग भी देर रात सूरत कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। 200 से 300की संख्या में जैन समाज के लोग कलेक्टर कार्यालय पर एकत्र हुए इस घटना के बाद किसी भी तरह के हंगामे को रोकने के लिए पुलिस की भी कड़ी व्यवस्था की गई थी। जैन समुदाय के नेताओं की एक ही मांग थी कि अगर हमारी मूर्तियां तोड़ी गई हैं तो हमें उस स्थान पर पूजा करने की इजाजत दी जाए जहां यह मूर्ति थी

पावागढ़ धाम मुख्य रूप से माँ महाकाली का मंदिर माना जाता है और यह जैन समुदाय की आस्था का केंद्र होने के साथ-साथ जैन समुदाय की पूजनीय और पूजनीय मूर्तियाँ हैं जिन्हें तोड़कर फेंक दिया गया था। उन्होंने कहा कि जब माताजी के मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ तो मंदिर की सीढ़ियों के आसपास तीर्थंकरों के देरासर का भी जीर्णोद्धार किया गया। जैन तीर्थंकरो की भव्य मूर्तियाँ भी वहाँ स्थापित की गईं। कल तक जिन स्थानों पर भव्य मूर्तियाँ पूजी जाती थीं, आज वहाँ मूर्तियाँ फेंक दी गई हैं। हमारे जैन समुदाय की एकमात्र मांग है कि ऐसे अपराधियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए, हमारे तीर्थयात्रियों की भव्य मूर्तियों को पूरे सम्मान और सुरक्षा के साथ उनके स्थान पर बहाल किया जाए और जब तक हमारी मांग नहीं मानी जाती, तब तक पूजा की अनुमति दी जाए।

महाकाली मंदिर ट्रस्ट का खुलासा : तीर्थंकर की पौराणिक मूर्तियों में तोड़फोड़ नहीं की गई

पंचमहल (ईएमएस) पावागढ़ पर्वत की सीढ़ियों पर तीर्थंक की पौराणिक मूत्रियों के खंडित होने को लेकर जैन समुदाय में जबर्दस्त आक्रोश है और राज्यभर में विरोध किया जा रहा है दूसरी ओर इस घटना को लेकर महाकाली मंदिर ट्रस्ट की ओर से स्पष्टता की गई है तीर्थंकर की पौराणिक मूर्तियों में किसी प्रकार की तोड़फोड़ नहीं की गई, बल्कि उसे निकालते वक्त उसे नुकसान पहुंचा है मंदिर ट्रस्ट ने यह भी कहा कि उसने मूर्तियां ले जाने के लिए भी कहा था, लेकिन उसे कोई ले नहीं गया बिता दें कि पंचमहल जिले के हालोल स्थित पावागढ़ पर्वत पर महाकाली मंदिर की ओर जानेवाली सीढियों पर जैन समाज के तीर्थंकर की प्राचीन मूर्तियों के खंडित होने को लेकर जैन समाज में आक्रोश भड़क उठा है जैन समाज का आरोप है कि उनके तीर्थंकरों की हजारों साल पुरानी मूर्तियों में तोड़फोड़ की गई है इस संदर्भ में पावागढ़ मंदिर के ट्रस्टी अशोकभाईका बयान सामने आया है उन्होंने कहा कि मूर्तियों में किसी प्रकार की तोड़फोड़ नहीं की गई पुराने मंदिर की ओर आनेवाली सीढ़ियों पर मूर्तियां थीं 20 दिन पहले जब वहां काम शुरू करना था तब लोगों से कह दिया गया था, जिन्हें मूर्तियां ले जानी है वह ले जाएं काम शुरू होने के बाद भी फिर एक बार मूर्तियां ले जाने के अनुरोध किया गया था यह अनुरोध जिससे किया था उसने मूर्तियां ले जाने से इंकार कर दिया था अशोकभाई ने कहा कि केवल एक मूर्ति ही खंडित हुई है और यह जानबूझ कर नहीं किया गया पत्थर कमजोर होने की वजह से मूर्ति खंडित हुई है कारीगर ने भी मूर्ति खंडित होने का कारण पत्थर कमजोर होना बताया है मंदिर ट्रस्टी ने यह भी बताया कि इन मूर्तियों की पूजा नहीं की जाती थी अगर कोई मूर्ति स्थापित करना चाहता है तो वह इसे ले जा सकता है फिलहाल इस पूरे मामले को लेकर पावागढ़ में प्रशासन, मंदिर ट्रस्ट और जैन समाज के नेताओं के बीच बैठक चल रही है और जल्द ही समाधान की संभावना है

समाज एक नहीं होने देगा के डर प्रेमी युगल ने नहर में कूद कर जान दे दी

पंचमहल (ईएमएस) हालोल के एक प्रेमी युगल ने खडीवाला के निकट नर्मदा नहर में कूद कर अपनी जान दे दी समाज शादी नहीं होने देगा इस डर से प्रेमी युगल ने यह कदम उठाया फिलहाल घटनास्थल पर पहुंची फायर विभाग की टीम नहर में दोनों की तलाश कर रही है जानकारी के मुताबिक पंचमहल जिले की हालोल तहसील के उजेती गांव निवासी 19 वर्षीय युवक आईटीआई कर रहा था जिबकि हालोल निवासी 17 वर्षीय नाबालिग लड़की 12वीं कक्षा की छात्रा थी युवक और युवती के बीच प्रेम संबंध था और दोनों शादी भी करना चाहते थे लेकिन उन्हे डर था कि समाज दोनों की शादी नहीं होने देगा इसी डर की वजह से दोनों ने आत्महत्या करने का फैसला कर लिया सुबह 10 बजे युवक अपने घर से निकलकर हालोल पहुंचा जहां से युवती को लेकर हालोल-वडोदरा रोड पर खंडीवाला से गुजरती नर्मदा की मुख्य नहर पर पहुंच गया नहर के किनारे दोनों अपनी चप्पलें उतारी दुपट्टे से एक-दूसरे का हाथ बांधने के बाद सोशल मीडिया पर स्टेट्स लगाकर दोनों ने नहर में छलांग लगा दी खबर मिलते ही हालोल फायर विभाग समेत पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और नहर में युगल की तलाश शुरू कर दी एक प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक दोनों एक-दूसरे का हाथ दुपट्टे से बांधने के बाद नहर में कूदे थे हांलाकि नहर के गहरे पानी में जब दोनों डूबने लगे तो मदद की गुहार लगाने लगे उस वक्त वहां से गुजर रहे एक राहगीर ने दोनों को बचाने का प्रयास किया था राहगीर ने एक वायर टुकड़ा नहर में डाला, जिसे युवक ने पकड़ लिया लेकिन युवती के पानी के बहाव में बहने से युवक के पास कोई विकल्प नहीं था क्योंकि दोनों हाथ दुपट्टे से बंधे हुए थे

युसूफ द्वाश मनपा के प्लॉट पश बनाए गए तबेले की जांच शुरू हुई

वडोदश, १७ जून ।

शजनीति में कोई स्थायी मित्र या स्थायी शत्रु नहीं होता । ये बात एक बाश फिश साबित हो गई है. बात ये है कि क्रिकेटश यूसुफ पठान ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस से चुनकश सांसद बन गए हैं. इसके साथ ही वह बीजेपी के दुश्मन बन गये हैं. यूसुफ पठान ने वडोदश के तंदलजा में नगश पालिका के एक भूखंड पश अस्तबल स्थापित किया है । इसलिए भाजपा पार्षद ने प्लॉट वापस लेने का प्रस्ताव श्खा, लेकिन नगश पालिका की सामान्य बैठक में भाजपा ने सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी ।

इस प्रकाश, उस समय बीजेपी को पठान साहब को प्लॉट देने में कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन अब वह तृणमूल में हैं । निगम के भूखंड पश पिछले कुछ समय से तृणमूल सांसद युसूफ पठान का कब्जा है. वडोदश नगश निगम आयुक्त दिलीप शणा ने उन्हें नोटिस जाशी कश जमीन खाली कश्ने का निर्देश दिया है. उधश, वार्ड नंबश १० के बीजेपी पार्षद नितिन डोंगा ने यूसुफ पठान के खिलाफ जमीन कब्जाने का मामला दर्ज कश्ने की मांग की है ।

उन्होंने नगश आयुक्त को एक अनुशेध पत्र सौंपा है. बीजेपी पार्षद नितिन डोंगा ने पत्र में लिखा है कि, 'यूसुफ पठान ने पश्चिम बंगाल की बहशमपुश सीट से चुनाव लड़ा था । अपने हलफनामे में, वडोदश टी.पी. २२ अंतिम प्लॉट नं. ९० ने अपनी आवासीय संपत्ति का कुछ हिस्सा दिखाया है ।

बीजेपी ने जमीन कब्जाने की शिकायत दर्ज कश्ने की मांग की इससे साबित होता है कि उन्होंने इस निगम की जमीन हड़प ली है । ताकि युसूफ पठान के खिलाफ कानूनी काईवाई की जा सके.' तो दिलचस्प बात यह है कि निगम के प्रस्ताव को शज्य सश्काश ने खाश्जि कश दिया था, इसके बावजूद भाजपा पार्षद अब तक चुप हैं । खैश, अब जब युसूफ पठान तृणमूल में हैं तो बीजेपी नेताओं की यादें ताजा होना स्वाभाविक है ।

कांग्रेस शासन में जीआईडीसी के भूखंड उसके करीबियों को आवंटित किए जाते थे : ऋषिकेश पटेल

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात सरकार के प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेश पटेल ने प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल के जीआईडीसी में अरबों रुपए के भ्रष्टाचार के आरोपों को खारिज कर दिया है साथ ही कहा कि वर्षों सत्ता से बाहर हो चुकी कांग्रेस मनघडंत आरोप लगा रही है भाजपा आगे बढ़े और उसकी सरकार अच्छे काम करती है तो कांग्रेस के पेट में दर्द होता है उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासनकाल के दौरान जीआईडीसी के प्लाट अपने करीबियों को आवंटित किए जाते थे बता दें कि रविवार को गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए थे जिसके मुताबिक पदाधिकारियों ने राज्य की जीआईडीसी में अरबों रुपये का भ्रष्टाचार किया है उन्होंने गुजरात सरकार के दो सर्कुलर दिखाते हुए आरोप लगाया कि गुजरात में जीआईडीसी के नियमों के मुताबिक उद्योगपतियों को तय कीमत पर जमीन दी जिससे सरकारी खजाने को 12 अरब 20 हजार करोड़ का नुकसान हुआ है इस मामले में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज से न्यायिक जांच की मांग की साथ ही ईडी अधिकारियों से मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज करने की मांग की राज्य सरकार के प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेष पटेल ने आज पत्रकार परिषद में शक्ति सिंह गोहिल द्वारा लगाये गये आरोपों को खारिज कर दिया साथ ही कहा कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने जीआईडीसी में लाखों करोड़ के भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था लेकिन पिछले 29 सालों से भाजपा सरकार पर लोगों का भरोसा बरकरार है गुजरात में सत्ता से बाहर हो चुकी कांग्रेस झूठे आरोप लगा रही है कांग्रेस ने बिना तथ्य और सच्चाई के झूठे आरोप लगाए हैं ऋषिकेश पटेल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस काल में जीआईडीसी के प्लॉट सिर्फ उनके रिश्तेदारों को दिए गए। भाजपा सरकार ने नीलामी के माध्यम से भूखंडों का आवंटन शुरू किया और उद्योगों के लिए जीआईडीसी की नई औद्योगिक नीति लाई। उन्होंने यह भी कहा कि जिन क्षेत्रों में 90 फीसदी से कम भूखंड आवंटित किये गये हैं, उन्हें असंतृप्त माना जाता है जिसके बाद जीआईडीसी की बैठक में प्लॉट आवंटन को लेकर फैसला लिया जाता है ऋषिकेष पटेल ने कहा कि उद्योगों की मांग को देखते हुए जीआईडीसी को दहेज असंतृप्त घोषित कर दिया गया है। सायखा जीआईडीसी में भूखंड आवंटित नहीं किए गए हैं। सायखा और दहेज केमिकल एंड इंजीनियरिंग के प्लॉट दिए गए। कॉलोनी में 90 प्रतिशत प्लॉट बिक जाने पर प्रभावी हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर जहां चाहे जांच की मांग उठा सकती है, लेकिन उसके आरोप साबित नहीं होने वाले हैं ऋषिकेष पटेल ने कहा कि उद्योगों को उतनी ही जमीन आवंटित की जाती है, जितनी उन्हें जरूरत होती है। जहां 90 फीसदी से ज्यादा प्लॉट बिक चुके हैं, वहां जीआईडीसी बनाए गए हैं। कांग्रेस के समय बिना जांच के आवंटन किये जाते थे।

कांग्रेस ने जीआईडीसी के अरबों के भ्रष्टाचार की जांच की मांग दोहराई

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री शक्तिसिंह गोहिल ने सरकार को खुली चुनौती देते हुए कहा कि सरकार के हाथ साफ हैं तो जीआईडीसी के मामले की जांच हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज से कराई जानी चाहिए। अगर कमेटी कहती है कि सब ठीक है तो कांग्रेस पार्टी इसका खर्च उठाएगी और अगर कमेटी कहती है कि गड़बड़ी हुई है तो भाजपा सरकार इसकी जिम्मेदारी लेगी गोहिल ने कहाकि उन्होंने जीआईडीसी की साजिश से सरकारी खजाने को अरबों रुपये का नुकसान होने की बात कही थी आज दो मंत्रियों और एक अधिकारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की मैं प्रेस कॉन्फ्रेंस करने के लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहता हूं। मुझे ख़ुशी होती अगर मेरे सवालों को उचित जवाब दिया जाता लेकिन मंत्रियों ने प्रेस कांफ्रेस में इधर-उधर की बातें की गोहिल ने कहा कि जीआईडीसी के अरबों रुपए के भ्रष्टाचार का कच्छा चिट्ठा सामने आने से भाजपा सरकार समेत उसके मंत्री बुरी तरह बौखला गए हैं और लीपापोती करने के लिए पत्रकार परिषद अलग अलग बातें कर रहे हैं

तटीय क्षेत्र से नशीले पदार्थ मिलने का सिलसिला जारी, चरस के और 6 पैकेट हुए बरामद

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्य के खासकर सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र के तटीय इलाकों से नशीले पदार्थों के मिलने का सिलसिला जारी है कच्छ के बाद अब पोरबंदर के तटीय क्षेत्र से लावारीस हालत में चरस के 6 पैकेट बरामद हुए हैं एसओजी और डॉग स्क्वॉड की टीम को सर्च ऑपरेशन के दौरान चरस के ये पैकेट बरामद हुए हैं बता दें कि कुछ दिन पहले कच्छ के समुद्री किनारे से लावारीस हालत में ड्रग्स के पैकेट बरामद हुए थे पिछले एक सप्ताह में कच्छ के अबडासा, लखपत और मांडवी के तटीय क्षेत्र से करीब 66 करोड़ कीमत का ड्रग्स बरामद किया जा चुका है जिसमें 8 जून को कच्छ की लखपत तहसील के रोडासर क्रिक क्षेत्र से चरस के 2 पैकेट, 9 जून को कुंडली-पिंगलेश्वर तटीय क्षेत्र से चरस के 10 पैकेट, 11 जून को सिंघोडी-सैयतपीर के समुद्र से 9 पैकेट, 13 जून को खिदरतपीर बेट से चरस के 10 पैकेट, 14 जून को धोळुपीर के निकट से चरस के 10 पैकेट बरामद हो चुके हैं गत शनिवार को लूणा बेट के तटीय क्षेत्र से बीएसएफ और जखौ मरीन पुलिस को गश्त के दौरान नशीले पदार्थ के 10 पैकेट लावारीस हालत में मिले थे गिर सोमनाथ में भी मछुआरों की सूचना के आधार पर ड्रग्स बरामद हुआ है ड्रग्स मिलने की लगातार घटनाओं को देखते हुए सौराष्ट्र के तटीय क्षेत्र में लगातार निगरानी करने का आदेश दिया गया है

एक्मे फिनट्रेड लिमिटेड इंडिया लिमिटेड आइपीओ (आसान लोन्स आइपीओ) 19 जून, 2024 को खुला

एक्मे फिनट्रेड (इंडिया) लिमिटेड, एक आरबीआई पंजीकृत, अग्रणी गैर- बैंकिंग वित्त कंपनी (एन बीएफसी) है। इस की स्थापना 1996 में की गई थी। कंपनी का आइपीओ 19 जून 2024 को खुल कर 21 जून 2024 को बंद होगा। यह 11, 00,000 शेयरों का एक फ्रेश इश्यू है। इस आइपीओ का बुक बिल्ट इश्यू 132 करोड़ रुपये है।

एक्मे फिनट्रेड (इंडिया) लिमिटेड राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और गुजरात में ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में वित्तीय समावेशन और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभा रही है। दो दशकों से ज्यादा के अनुभव के साथ एक्मे फिनट्रेड (इंडिया) लिमिटेडने ग्रामीण आबादी की खास वित्तीय जरूरतों और आकांक्षाओं को समझने और पूरा करने की दिशा में एक मजबूत पहचान बनाई है। 200,000 से ज्यादा ग्राहकों की विश्वासपात्र, एक्मे फिनट्रेड (इंडिया) लिमिटेड वाहनों के लिए कर्ज और सिक्योर्ड लोन सहित लोगों की जरूरत के मुताबिक कई तरह के लोन देती है। । 2,00 ,000 से ज्यादा ग्राहक एक्मे फिन ट्रेड (इंडिया) लिमिटेड पर भरोसा करते हैं। कंपनी व्हीकल फाइनेंस और सिक्योर्ड बिजनेस फाइनेंस प्रोडक्ट्स सहित लोगों की जरूरत के मुताबिक कई तरह के फाइनेंशियल सॉल्यूशंस उपलब्ध कराती है जो विकास और समृद्धि को बढ़ावा देते हैं।

aasaanloans.com

एक डिजिटल लेंडिंग प्लेटफ़ॉर्म है जिसका संचालन एक्मे फिनट्रेड (इंडिया) लिमिटेड (इंध्ध) करती है। ये प्लेटफॉर्म पहले से ही 30 से ज्यादा थर्ड-पार्टी इंध्ध के साथ जुड़ा हुआ है और परिचालन प्रक्रिया को आसान और तेज़ बनाता है। यह अनूठा दृष्टिकोण कम जोखिम और उच्च संभावना वाले व्यवसायों की पहचान करने में सहायता करता है। इससे उन लोगों की वित्तीय जरूरतें पूरी करने में सहायता मिलती है जिनके पास पहले लंबीया छोटी अवधि के लोन हासिल करने की सुविधा नहीं थी।व्यवसाय और परिसंपत्तियों के विस्तार के चलते कंपनी की पूंजी संबंधी जरूरतें बढ़ने की उम्मीद है। ऐसे में कंपनी इस आइपीओ से मिलने वाली शुद्ध रकम का इस्तेमाल अपने पूंजी आधा को बढ़ाने के लिए करेगी ताकि भविष्य की पूंजी जरूरतों को पूरा किया जा सके।

ओजत-2 डेम से मिला शेर का मृतदेह, करंट देकर हत्या किए जाने की आशंका

जूनागढ़ (ईएमएस) एक तरफ जहां राज्य में शेरों की संख्या कम होती जा रही है, वहीं दूसरी ओर एक शेर का शव संदिग्ध हालत में मिला है संदेह है कि बिजली का करंट देकर शेर की हत्या की गई है। शेर के शव को पीएम के लिए जूनागढ़ सक्करबाग चिड़ियाघर भेजा गया है। आरोपियों को पकड़ने के लिए जूनागढ़ नॉर्मल डिविजन और गिर वेस्ट फॉरेस्ट डिविजन की संयुक्त कॉम्बिंग शुरू हो गई है। इसके अंतर्गत विसावदर घंटियां और थुबाला बॉर्डर पर जांच चल रही है साथ ही नानी मोनपारी के युवा किसान मोहनीश रवैया को संदेह के आधार पर गिरफ्तार किया गया है बताया जाता है कि जमीन मोहनीश राविया के घंटियां के आसपास बांध के किनारे स्थित है। जमीन पर शेर के शरीर के निशान भी मिले हैं शुरुआती जानकारी यह भी सामने आ रही है कि आशंका है कि शेर की हत्या किसी अन्य स्थान पर की गई।

पश्चिम रेलवे के जूनागढ़ रेलवे स्टेशन को मिलेगा ,आधुनिक सुविधाओं के साथ नया आकर्षक रूप

पश्चिम रेलवे द्वारा रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण और सुविधाओं में सुधार के उद्देश्य से अपने अधिकार क्षेत्र में कई स्टेशनों के बड़े पैमाने पर अपग्रेडेशन और रिडेवलपमेंट की परियोजना शुरू की गई है। इनमें से एक जूनागढ़ रेलवे स्टेशन भी है।

जूनागढ़ पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल के अंतर्गत आता है और गुजरात राज्य के सबसे खूबसूरत जिलों में से एक है। पश्चिमी गुजरात में स्थित यह अरब सागर और हरे-भरे जंगल से घिरा हुआ है। जूनागढ़ गिर अभयारण्य के लिए प्रसिद्ध है, जो एशियाई शेरों का एकमात्र निवास स्थान है और जूनागढ़ में गिरनार की पर्वत श्रृंखला है, जो एक प्रमुख तीर्थ स्थल है। जूनागढ़ गुजरात के सबसे खूबसूरत और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध शहरों में से एक है। इतना ही नहीं, दुनिया भर में गुजराती प्रवासी जूनागढ़ की संस्कृति, भोजन और प्रथाओं को गुजरात की सर्वोत्कृष्ट भावना से जोड़ते हैं। सौराष्ट्र क्षेत्र में स्थित, जूनागढ़ अपने किले, अपने बाजारों, गीत-नृत्य संस्कृति, मसालों और अचार और मिलनसार लोगों के लिए प्रसिद्ध है। राज्य के महत्वपूर्ण शहरों में से एक होने के नाते, पश्चिम रेलवे ने अत्याधुनिक सुविधाओं और सुख-सुविधाओं के साथ मॉडयूलर अवधारणा पर एक विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन बनाने की पहल की है। जूनागढ़ स्टेशन को वास्तुशिल्प परिवेश के साथ डिजाइन किया जा रहा है जो यह सुनिश्चित करेगा कि संपूर्ण स्टेशन परिसर उपयुक्त अग्रभाग, फिनिश, रंग, सामग्री, बनावट और समग्र रूप और अनुभव के माध्यम से एक एकीकृत थीम प्रस्तुत करे। मुख्य स्टेशन भवन और अग्रभाग का डिजाइन जूनागढ़ की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और भव्यता के विभिन्न पहलुओं को प्रतिबिम्बित करेगा, जिसमें गिर के जंगल का प्रभाव भी शामिल है। यह प्राचीन और आधुनिक वास्तुकला का एक सुंदर मिश्रण होगा। स्टेशन में विश्व स्तरीय बहुमंजिला इमारत, बुकिंग और पार्सल कार्यालय, लिफ्ट, एस्केलेटर, कॉनकोर्स, एसी वेटिंग रूम, समर्पित प्रवेश और निकास, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए बैटरी से चलने वाले वाहन, सुविधाजनक पार्किंग, आधुनिक कोच मार्गदर्शन डिस्प्ले बोर्ड, घोषणा प्रणाली, वाई-फाई, आधुनिक सीसीटीवी प्रणाली आदि कई आधुनिक सुविधाओं के बीच सुविधाएं होंगी।

नए अत्याधुनिक स्टेशन भवन से यात्रियों की यात्रा अधिक सुविधाजनक और आरामदायक हो जाएगी। यह शहर के लिए एक अतिरिक्त आकर्षण होगा और यात्रियों, तीर्थयात्रियों और पर्यटकों का एयरपोर्ट जैसे परिवेश में स्वागत करेगा, जिससे राज्य के पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस-बरौनी-नंदुरबार तथा उधना-छपरा के बीच चलाएगी स्पेशल ट्रेनें

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त यात्रियों को समायोजित करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस-बरौनी-नंदुरबार तथा उधना-छपरा के बीच विशेष किराये पर दो स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

1.ट्रेनसंख्या09053/09054 बांद्रा टर्मिनस-बरौनी-नंदुरबार स्पेशल ड02 फेरे. मंगलवार, 18 जून, 2024 को बांद्रा टर्मिनस से 21.45 बजे प्रस्थान करेगी और गुरुवार, 20 जून, 2024 को 15.00 बजे बरौनी पहुँचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09054 बरौनी-नंदुरबार स्पेशल गुरुवार, 20 जून, 2024 को बरौनी से 18.00 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार, 22 जून, 2024 को 03.30 बजे नंदुरबार पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर और हाजीपुर स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 09053 का बोरीवली, बोईसर, वापी, वलसाड, भेस्तान और चलथान स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव होगा। इस ट्रेन में एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09041/ 09042 उधना-छपरा स्पेशल ड04 फेरे.बुधवार, 19 जून, 2024 और गुरुवार, 20 जून, 2024 को उधना से 11.15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 19.00 बजे छपरा पहुँचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09042 छपरा-उधना स्पेशल गुरुवार, 20 जून, 2024 और शुक्रवार, 21 जून, 2024 को छपरा से 23.00 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार, 22 जून, 2024 और रविवार, 23 जून, 2024 को 07.30 बजे उधना पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान, बारडोली, नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर सिटी और बलिया स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे। ट्रेन संख्या 09053 एवं 09041 की बुकिंग 18.06.2024